Hindi Syllabus

Golaghat Commerce College (Autonomous),

Golaghat - 785621

प्रस्तावना :

हिन्दी साहित्य के स्नातक प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना 2020 के राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आधार पर प्रस्तुत किया गया है। इस पाठ्यक्रम की संरचना इस प्रकार की गयी है कि इसके अध्ययन के पश्चात हिन्दी साहित्य के विद्यार्थी यह जान सके कि साहित्य का अध्ययन विश्लेषण कैसे किया जाये, ताकि विद्यार्थी साहित्य के उद्देश्य से भली-भाँति परिचित हो सके।

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली में हिन्दी साहित्य के पाठ्यक्रम की बड़ी भूमिका होती है। साथ ही बहुभाषित भारत में हिन्दी की अहमियत का पता चलता है। हम जानते है कि भारत विविधताओं वाला देश है और ये विविधताएँ भाषागत भी है। यहाँ तक कि मानक हिन्दी भाषा के अन्तर्गत अनेक बोलियाँ भी सम्मिलित है, जिनका साहित्य भी हिन्दी भाषा में समृद्ध कर रहा है। इसमें उल्लेखित पाठों को अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी न केवल अपने विवेक को विकसित कर सकेगा, साथ-साथ विश्लेषण करने में भी समर्थ हो सकेगा।

वर्तमान समय सूचना और क्रान्ति का समय है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगारपरक शिक्षा देने का कार्य भी करेगा, ताकि इसके अध्ययन के बाद विद्यार्थी अपने जीवन में भली-भाँति प्रयोग कर सके। अधिगम परिणाम आधारित शिक्षण प्रणाली में सुझाये गये पाठ्यक्रमों को यदि नवाचार की दृष्टि से लागू किया जाय, तो यह सम्पूर्ण समाज के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। वर्तमान समय की माँग है कि साहित्य में स्थानीयता के साथ साथ राष्ट्रीय और वैश्विक को उसके वृहत्तर रुप से परिचित कराया जाय और साथ साथ हिन्दी साहित्य के प्रति रुचि भी पैदा हो जाय। अतः हमारे विद्यार्थियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे इन पाठ्यक्रमों में रुचि बढ़ाएँ और हिन्दी साहित्य के प्रति अग्रसर हो जाए।

परिचय :

हिन्दी साहित्य के स्नातक प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना 2020 के नई शिक्षा नीति के आधार पर प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम की संरचना इस प्रकार की गयी है कि इसके अध्ययन के पश्चात हिन्दी साहित्य के विद्यार्थी यह जान सके कि साहित्य का विश्लेषण कैसे किया जाये। उसकी सराहना कैसे की जाये और दिये गये पाठ को पढ़ने की समय किस प्रकार विकसित की जाये, ताकि विद्यार्थी साहित्य के उद्देश्य से भली-भाँति परिचित हो सकें।

उद्देश्य :

हिन्दी के स्नातक प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम का उद्देश्य निम्नलिखित लक्ष्यों को प्राप्त करना है :

(i) विद्यार्थियों को सचेत नागरिक बनाना।

(ii) एक कुशल वकता का निर्माण करना।

(iii) समाज और समुदाय के प्रति संवेदनशील दृष्टि का विकास करना।

(iv) राष्ट्रीय चेतना का विकास करना।

(v) स्थानीय से लेकर वैश्विक स्तर तक के विशिष्ट साहित्य से परिचित कराना।

(vi) भाषा संबंधी कौशल का विकास करना।

(vii) विभिन्न साहित्यिक विधाओं की जानकारी देना।

(viii) विश्लेषणात्मक और तार्किक दृष्टिकोण का विकास करना।

(ix) सम्प्रेषण कौशल का विकास करना।

(v) समुह कार्य और समय प्रबंधन के प्रति सचेत कराना।

स्नातकीय विशेषता :

1. अनुशासनात्मक ज्ञान :

- हिन्दी साहित्य की विभिन्न शैलियों, युगों एवं धाराओं की पहचान तथा उन पर चर्चा करने की क्षमता।
- विभिन्न साहित्यिक और महत्वपूर्ण अवधारणाओं को हासिल करने की क्षमता।
- साहित्य की विभिन्न विधाओं की जानकारी और उनकी ऐतिहासिक संदर्भ जानने की क्षमता।
- विभिन्न दृष्टिकोणों से भाषाविश्लेषण कौशल।
- विभिन्न सिद्धांतो के आधार पर पाठ विश्लेषण और पाठ आलोचना में योग्यता।
- सामाजिक संदर्भ में साहित्य का मूल्यांकन और विश्लेषण करने की क्षमता।
- साहित्य पढ़ने के अलावा, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संदर्भो में साहित्यिक विश्लेषण के बारे में जिज्ञासा।

2. प्रेषणीयता :

- साहित्यिक तथा अन्य विविध क्षेत्रों में हिन्दी कथन एवं लेखन कौशल का विकास।
- आलोचनात्मक अवधारणाओं के प्रयोग कौशल का विकास।
- सम्प्रेषण क्षमता का विकास।

3. गंभीर विचार :

- विचारात्मक सोच का विकास।
- साहित्य अध्ययन के लिए तुलनात्मक दृष्टिकोण का विकास।

4. समस्या समाधान :

- मौखिक एवं लिखित हिन्दी में आनेवाली समस्याओं का समाधान।
- हिन्दी भाषा और साहित्य के इतिहास से संबंधित प्रश्नों का समाधान।
- हिन्दी भाषा के तकनीकी अनुप्रयोग से संबन्धित समस्याओं का समाधान।

5. बहुसांस्कृतिक क्षमता :

- क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर बहुसांस्कृतिक आयामों से परिचय।

6. अनुसंधान संबंधी कौशल :

- अन्वेषणमूलक दृष्टिकोण का बीज वपन।
- अनुसंधान की मूल समस्यायों की पहचान।
- अनुसंधान परियोजना की तैयारी का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान।

7. सूचना डिजिटल साक्षरता :

- हिन्दी साहित्य, समाचार पत्र, पत्रिका आदि जैसे विभिन्न ई-स्रोत का ज्ञान।
- हिन्दी भाषा में ई-पृष्ठों, ई-सामग्र-पत्रिकाओं और ई-ठियों के माध्यम से हिन्दी भाषा और साहित्य को समृद्ध और विकसित करने की क्षमता।

8. चिंतनशील सोच :

- शिक्षण और अनुभव से प्राप्त सोच के माध्यम से सामाजिक स्थिति निर्धारण करने की क्षमता।

कार्यक्रम अधिगम परिणाम (PLO) :

हिन्दी स्नातक कार्यक्रम से संबंधित परिणाम इस प्रकार हैं -

1. साहित्य सम्प्रेषण के आधार बिन्दुओं की जानकारी देना ताकि साहित्य के संबंध में एक स्पष्ट ज्ञान विकसित हो सके।
2. हिन्दी साहित्य और भाषा के क्षेत्र में प्रमुख अवधारणाओं, सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य एवं नवीनतम रुझानों के साथ परिचित कराना ताकि साहित्यिक विकास के संबंध में पर्याप्त जानकारी मिल सके।
3. साहित्य की विभिन्न विधाओं को पढ़ने और समझने की योग्यता को बढ़ावा देना।
4. साहित्य लेखन की विविध शैली और समीक्षात्मक दृष्टि का विकास करना।
5. स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक संस्कृति के बारे में जानकारी देना और साहित्यिक मूल्यांकन की योग्यता का विकास हो सके।
6. आधुनिक संदर्भो में तकनीकी संसाधनों को इस्तेमाल करते हुए हिन्दी साहित्य की जानकारी देना।
7. प्रत्येक स्तर पर जीवन मूल्यों और साहित्यिक मूल्यों का निर्धारण करने की क्षमता और ज्ञान का विकास करना।
8. विद्यार्थी लेखन, वाचन और श्रवण के साथकर विकास का कल्पनाशक्ति साथ-ना जिससे कि उसके समग्र व्यक्तित्व में निखार आ सके।
9. हिन्दी साहित्य के अध्ययन के बाद रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों की पहचान और रोजगार के नये नये मार्ग तलाशने योग्य बनेगा का।
10. साहित्य के अध्ययन के बाद रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों की पहचान करते हुए रोजगार के नए मार्ग तलाशना।
11. भारत के साहित्यिक, सांस्कृतिक और भाषाई विविधता को जानने के प्रति जागरुकता पैदा करना।

शिक्षण अधिगम पद्धति :

1. व्याख्यान
2. संवाद तथा बहस
3. परिवेश का सृजन
4. समकालीन साहित्य का ज्ञान
5. अध्ययन से संबन्धित पर्यटन
6. क्षेत्रीय अथवा परियोजना कार्य
7. तकनीकी का सहयोग

मूल्यांकन पद्धति :

1. गृह समनुदेशन
2. परियोजना रिपोर्ट
3. कक्षा प्रस्तुति
4. सामूहिक चर्चा
5. सत्र परीक्षा

FYUGP Structure as per UGC Credit Framework
(List of proposed syllabus)

Year	Semester	Course	Title of the Course	Total Credit
Year 01	1st Semester	HINMAJ1	साहित्य की अवधारणा	4
		HINMIN1	साहित्य का परिचय : भाग 1	4
		HINAEC1	हिन्दी भाषा एवं व्यवहार कौशल	4
		HINSEC1	मीडिया के लिए साक्षात्कार	4
	2nd Semester	HINMAJ2	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और भक्तिकाल	4
		HINMIN2	साहित्य का परिचय : भाग 2	4
		HINSEC2	कम्प्यूटर अनुप्रयोग	4
Year 02	3rd Semester	HINMAJ3A	हिन्दी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल और आधुनिककाल	4
		HINMAJ3B	भारतेन्दु युग और द्विवेदी युग पर विचारधारा	4
		HINMIN3	लोक साहित्य : सिद्धान्त एवं परम्परा	4
		HINSEC3	अनुवाद कौशल	4
	4th Semester	HINMAJ4A	आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता	4
		HINMAJ4B	हिन्दी गद्य साहित्य : अतीत और वर्तमान	4
		HINMAJ4C	हिन्दी कहानी साहित्य : अतीत और वर्तमान	4
		HINMAJ4D	हिन्दी उपन्यास साहित्य : अतीत और वर्तमान	4
		HINMIN4	राजभाषा हिन्दी	4

FYUGP Structure as per UGC Credit Framework
(List of proposed syllabus)

Year	Semester	Course	Title of the Course	Total Credit
Year 03	5th Semester	HINMAJ5A	भारतीय काव्यशास्त्र	4
		HINMAJ5B	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4
		HINMAJ5C	आधुनिक हिन्दी कविता की विचारधारा (छायावाद तक)	4
		HINMIN5	राष्ट्रीय चेतना की अवधारणा (कविता के आधार पर)	4
	6th Semester	HINMAJ6A	भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा	4
		HINMAJ6B	हिन्दी गद्य साहित्य : नाटक पर विचारधारा	4
		HINMAJ6C	आधुनिक हिन्दी गद्य : निबंध	4
		HINMAJ6D	प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं प्रयोगात्मक क्षेत्र	4
		HINMIN6	भारतीय साहित्य का परिचय	4
Year 04	7th Semester	HINMAJ7A	छायावादोत्तर काल एवं कविता	4
		HINMAJ7B	हिन्दी पत्रकारिता के विविध पक्ष	4
		HINMAJ7C	हिन्दी आलोचना साहित्य	4
		HINMIN 7	मीडिया और समाज	4
	8th Semester	HINMAJ8A	भारतीय साहित्य एवं साहित्यकार	4
		HINMAJ8B	लोक साहित्य एवं असमिया समाज	4
		MINHIN8	विज्ञापन कला	4
		DSE1	तुलसी साहित्य	4
		DSE2	सूर साहित्य	4
		DSE3	प्रेमचन्द्र साहित्य	4

SEMESTER I

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 56 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	:	**साहित्य की अवधारणा**
Course Code	:	**HINMAJ1**
Nature of the Course	:	**Major**
Total Credits	:	**4**
Distribution of Marks	:	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

साहित्य समाज का दर्पण होता है। साहित्य के अनेक रुप काव्य कथा गद्य, नाटक आदि के रुप में प्रकट होकर हमारी आँखों के सामने बड़े उज्ज्वल संसार के रहस्यों को उजाकर करते हैं। साहित्य पाठकों को क्षितिज को व्यापक बनाता है। हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों को साहित्य के प्रारंभिक परिचय होना जरुरी है। इस पत्र में साहित्य की अवधारणा, प्रकार, विशेषताएँ एवं महत्व से लेकर साहित्य की विविध विधाएँ कविता, निबंध, जीवनी साहित्य, कहानी, नाटक तथा उपन्यास पर पाठ्यक्रम में ध्यान दिया गया है, ताकि विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य की सही दिशा एवं दशा का पता चल सके।

CO1 : साहित्य की सम्यक परिचय से परिचित कराना।

ILO 1 : विद्यार्थी साहित्य की अवधारणा, स्वरूप, उद्देश्य एवं महत्व के बारे में अवगत होगें।

ILO 2 : साहित्य के विभिन्न प्रकारों से परिचित होगें।

ILO 3 : साहित्य की विशेषताओं के बारें में जान सकेगें।

ILO 4 : हिन्दी साहित्य की महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त होगें।

CO 2 : साहित्य के विकास से परिचित कराना।

ILO 1 : साहित्य की विकास प्रक्रिया से समझ सकेगें।

ILO 2 : साहित्य के विकास की रुपात्मक व्याख्या को समझेगें।

ILO 3 : साहित्य के विकास की प्रवृत्यात्मक व्याख्या को समझेगें।

CO 3 : साहित्य की विभिन्न गद्य विधाएँ के बारे में जानकारी देना।

ILO 1 : कविता की परिभाषा, उद्देश्य एवं विषय का सम्यक ज्ञान प्राप्त होगा।

ILO 2 : विबंध की परिभाषा, विशेषताएँ एवं निबंधों का सूत्रपात के बारे में जानकारी मिलेगी।

ILO 3 : जीवनी साहित्य की परिभाषा, स्वरूप एवं तत्व से परिचित कराना।

CO 4 : साहित्य की गद्य विधाएँ से परिचित कराना।

ILO 1 : कहानी के प्रकारों एवं महत्व से अवगत होगें।

ILO 2 : नाटक के उद्भव और विकास तथा नाटक के तत्वों का समझ होगें।

ILO 3 : एंकाकी की परिभाषा, तत्व एवं प्रकार से परिचित कराना।

ILO 4 : उपन्यास के परिभाषा, तत्व एवं प्रकार को समझ सकेगें।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : साहित्य की अवधारणा

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	**साहित्य का परिचय :** • साहित्य की अवधारणा, स्वरूप, उद्देश्य एवं महत्व • साहित्य के प्रकार: (गद्य साहित्य, पद्य साहित्य, चम्पु साहित्य) • साहित्य की विशेषताएँ • हिन्दी साहित्य की महत्व	14	01	-	15
2 (15 marks)	**साहित्य का विकास :** • साहित्य की विकास प्रक्रिया • साहित्य के विकास की रुपात्मक व्याख्या • साहित्य के विकास की प्रवृत्यात्मक व्याख्या	14	01	-	15
3 (15 marks)	**साहित्य की विधाएँ :** • कविता : परिभाषा, उद्देश्य एवं विषय • निबंध : परिभाषा, विशेषताएँ, निबंधों का सूत्रपात • जीवनी : परिभाषा, स्वरुप, तत्व	14	01	-	15
4 (15 marks)	• कहानी : तात्पर्य, प्रकार एवं महत्व • नाटक : उद्भव और विकास, नाटक के तत्व • एंकाकी : परिभाषा, तत्व एवं प्रकार • उपन्यास : परिभाषा, तत्व एवं प्रकार	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  (i) Class assignment / home assignment
  (ii) Class test / Unit test
  (iii) Group discussion
  (iv) Seminar
  (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : गणपति चन्द्रगुप्त, लोकभारती प्रकाशन।
2. हिन्दी साहित्य का परिचय : डॉ० जोनटि दुवरा, सरस्वती प्रकाशन, गोलाघाट।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० नगेन्द्र, डॉ० हरदयाल, मयुर पेपरबैक्स प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. हिन्दी साहित्य का सुगम इतिहास : डॉ० हरेराम पाठक, अनंग प्रकाशन, दिल्ली।
6. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबु गुलाब राय, लक्ष्मीनारायण प्रकाशन, अगरा।

::::::::::

SEMESTER I

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 56, T - 4, P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	:	**साहित्य का परिचय : भाग 1**
Course Code	:	**HINMIN1**
Nature of the Course	:	**Minor**
Total Credits	:	**4**
Distribution of Marks	:	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

साहित्य समाज का दर्पण होता है। साहित्य के अनेक रुप काव्य कथा गद्य, नाटक आदि के रुप में प्रटक होकर हमारी आँखों के सामने बड़े उज्ज्वल संसार के रहस्यों को उजाकर करते हैं। साहित्य पाठकों को क्षितिज को व्यापक बनाता है। हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों को साहित्य के प्रारंभिक परिचय होना जरुरी है। इस पत्र में साहित्य की अवधारणा, प्रकार, विशेषताएँ एवं महत्व से लेकर साहित्य की विविध विधाएँ कविता, निवंध, जीवनी साहित्य, कहानी, नाटक तथा उपन्यास पर पाठ्यक्रम में ध्यान दिया गया है, ताकि विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य की सही दिशा एवं दशा का पता चल सके।

CO1 : साहित्य की सम्यक परिचय से परिचित कराना।

ILO 1 : विद्यार्थी साहित्य की अवधारणा, स्वरूप, उद्देश्य एवं महत्व के बारे में अवगत होगें।

ILO 2 : साहित्य के विभिन्न प्रकारों से परिचित होगें।

ILO 3 : साहित्य की विशेषताओं के बारें में जान सकेगें।

ILO 4 : हिन्दी साहित्य की महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त होगें।

CO 2 : साहित्य के विकास से परिचित कराना।

ILO 1 : साहित्य की विकास प्रक्रिया से समझ सकेगें।

ILO 2 : साहित्य के विकास की रुपात्मक व्याख्या को समझेगें।

ILO 3 : साहित्य के विकास की प्रवृत्यात्मक व्याख्या को समझेगें।

CO 3 : साहित्य की विभिन्न गद्य विधाएँ के बारे में जानकारी देना।

ILO 1 : कविता की परिभाषा, उद्देश्य एवं विषय का सम्यक ज्ञान प्राप्त होगा।

ILO 2 : विबंध की परिभाषा, विशेषताएँ एवं निबंधों का सूत्रपात के बारे में जानकारी मिलेगी।

ILO 3 : जीवनी साहित्य की परिभाषा, स्वरूप एवं तत्व से परिचित कराना।

CO 4 : साहित्य की गद्य विधाएँ से परिचित कराना।

ILO 1 : कहानी के प्रकारों एवं महत्व से अवगत होगें।

ILO 2 : नाटक के उद्भव और विकास तथा नाटक के तत्वों का समझ होगें।

ILO 3 : एंकाकी की परिभाषा, तत्व एवं प्रकार से परिचित कराना।

ILO 4 : उपन्यास के परिभाषा, तत्व एवं प्रकार को समझ सकेगें।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : साहित्य का परिचय : भाग 1

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	**साहित्य का परिचय :** • साहित्य की अवधारणा, स्वरूप, उद्देश्य एवं महत्व • साहित्य के प्रकार: (गद्य साहित्य, पद्य साहित्य, चम्पु साहित्य) • साहित्य की विशेषताएँ • हिन्दी साहित्य की महत्व	14	01	-	15
2 (15 marks)	**साहित्य का विकास :** • साहित्य की विकास प्रक्रिया • साहित्य के विकास की रुपात्मक व्याख्या • साहित्य के विकास की प्रवृत्यात्मक व्याख्या	14	01	-	15
3 (15 marks)	**साहित्य की विधाएँ :** • कविता : परिभाषा, उद्देश्य एवं विषय • निबंध : परिभाषा, विशेषताएँ, निबंधों का सूत्रपात • जीवनी : परिभाषा, स्वरुप, तत्व	14	01	-	15
4 (15 marks)	• कहानी : तात्पर्य, प्रकार एवं महत्व • नाटक : उद्भव और विकास, नाटक के तत्व • एंकाकी : परिभाषा, तत्व एवं प्रकार • उपन्यास : परिभाषा, तत्व एवं प्रकार	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : गणपति चन्द्रगुप्त, लोकभारती प्रकाशन।
2. हिन्दी साहित्य का परिचय : डॉ० जोनटि दुवरा, सरस्वती प्रकाशन, गोलाघाट।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० नगेन्द्र, डॉ० हरदयाल, मयुर पेपरबैक्स प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. हिन्दी साहित्य का सुगम इतिहास : डॉ० हरेराम पाठक, अनंग प्रकाशन, दिल्ली।
6. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबु गुलाब राय, लक्ष्मीनारायण प्रकाशन, अगरा।

::::::::::

SEMESTER I

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 56 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	**:**	**हिन्दी भाषा एवं व्यवहार कौशल**
Course Code	**:**	**HINAEC1**
Nature of the Course	**:**	**Ability Enhancement Course**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

भाषा अभिव्यक्ति का सर्वाधिक विश्वसनीय माध्यम है। यही नहीं, यह हमारे समाज के निर्माण, विकास, अस्मिता, सामाजिक व सांस्कृतिक पहचान का भी महत्वपूर्ण साधन है। ज्ञान, विज्ञान, कला, संस्कृति आदि के सभी अंगों में आवश्यक सूचना देकर समाज को अग्रसर करना ही भाषा का उद्देश्य रहता है। भाषा जगत के कार्यव्यापार एवं व्यवहार का मूल है। व्यक्ति जब भाषा का प्रयोग करता है, तो उसे कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जैसे - उच्चारण की समस्या, लिंग निर्धारण की समस्या, वाक्यों के गठन, पत्र लेखन आदि। हिन्दी भाषा में कम्प्युटर प्रौद्योगिकी पर इस पत्र में विशेष रुप में ध्यान दिया गया है, ताकि विद्यार्थियों ने वर्तमान समाज में सही दिशा एवं दशा प्राप्त कर सकें।

CO1 : हिन्ही भाषा के बारे में परिचित कराना।

ILO 1 : भाषा परिभाषा, प्रकृति एवं विशेषताओं से परिचित होगें।

ILO 2 : देवनागरी लिपि के उद्भव और विकास के बारे में ज्ञान प्राप्त होगा।

ILO 3 : देवनागरी लिपि की समस्याएँ और उनका समाधान के बारे में जान सकेगें।

CO 2 : हिन्दी भाषा के विकास में प्रमुख वोलियों का योगदान से परिचित कराना।

ILO 1 : ध्वनियाँ (स्वर एवं व्यंजन) के प्रकार एवं प्रयोग को समझेगें।

ILO 2 : व्याकरण एवं उनके प्रयोग के बारे में ज्ञान प्राप्त होगा।

ILO 3 : वाक्य व्यवस्था के बारे में सिखाना।

CO 3 : पत्राचार एवं पत्रलेखन की कला को सीखेगें।

ILO 1 : पत्रलेखन का महत्व, कला एवं उपयोगिता के बारे में सीखेगे।

ILO 2 : पत्रलेखन के बारे में सीखेगें।

CO 4 : हिन्दी भाषा में कम्प्युटर प्रौद्योगिकी से परिचित होगें।

ILO 1 : इंटनरेट और हिन्दी के बारे में ज्ञान प्राप्त होगा।

ILO 2 : हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं वेबसाइट के बारे में जान सकेगें।

ILO 3 : सोशल मीडिया और लेखन-कौशल को समझेगें।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : हिन्दी भाषा एवं व्यवहार कौशल

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	• भाषा की परिभाषा, प्रकृति और विशेषताएँ • देवनागरी लिपि : उद्‌भव और विकास • देवनागरी लिपि की समस्याएँ और उनका समाधान	13	02	-	15
2 (15 marks)	**हिन्दी भाषा के विकास में प्रमुख बोलियों का योगदान :** • ध्वनियाँ - स्वर एवं व्यंजन के प्रकार एवं प्रयोग व्याकरण एवं प्रयोग : लिंग; वचन क्रिया; उपसर्ग; संधि **वाक्य व्यवस्था :** वाक्य, उपवाक्य, स्वरुप एवं भेद	13	02	-	15
3 (15 marks)	**पत्राचार एवं पत्रलेखन** • पत्र लेखन का महत्व, कला और उपयोगिता • पत्रलेखन औपचारिक एवं अनौपचारिक	13	02	-	15
4 (15 marks)	**हिन्दी भाषा में कम्प्युटर प्रौद्योगिकी** • इंटरनेट और हिन्दी • हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर, वेबसाइट • सोशल मीडिया और लेखन - कौशल	13	02	-	15
	Total	52	08	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी भाषा, डॉ० हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. कार्यालयी हिन्दी और कम्प्युटर : संदर्भ एवं प्रयोग, डॉ० अर्चना श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. आदर्श हिन्दी असमीया व्याकरण एवं रचना, डॉ० जोनटि दुवरा, सरस्वती प्रकाशन, गोलाघाट।
4. हिन्दी भाषा और व्याकरण : डॉ० समीर कुमार झा, नूरअफ्शा बेगम।
5. हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ० वासुदेव नन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना।
6. हिन्दी भाषा, व्याकरण और रचना : अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

:::::::::::

SEMESTER I

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE - SEC -1

CREDIT - 3 (L - 40 T - 4, P - 1)

Total Marks - 75 (Th - 45 + IA - 30)

Title of the Course	:	**मीडिया के लिए साक्षात्कार**
Course Code	:	**HINSEC1**
Nature of the Course	:	**Skill Enhancement Course**
Total Credits	:	**3**
Distribution of Marks	:	**45 (End Sem) + 30 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

साक्षात्कार मीडिया संकलन का एक प्रभावी तरीका है। एक तरह से मीडिया साक्षात्कार पर ही आधारित है। इसका उपयोग विशिष्ट प्रकार के मीडिया के लिए विशेष रूप में प्रयोग किया जाता है। वर्तमान समय में मीडिया की उपयोगिता, महत्व एवं भूमिका निरंतर बढ़ती जा रही है। प्रिंटिंग प्रेस, पत्रकारिता, इलेक्ट्रानिक माध्यम, रेडियो, सिनेमा, इन्टरनेट आदि सूचना के माध्यम आज के जीवन का एक अपरिहार्य आवश्यकता बन गया है। मीडिया आज रोजगार का सफल माध्यम साबित हो रहा है, ऐसी परिस्थिति में इस विषय को पाठ्यक्रम में रखना आवश्यक प्रतीत होता है।

CO1 : मीडिया एवं साक्षात्कार के बारे में ज्ञात कराना।

ILO 1 : मीडिया एवं साक्षात्कार के बारे में जान सकेंगे।

CO 2 : मीडिया और साक्षात्कार के प्रकार से परिचित कराना।

ILO 1 : टी.वी. और रेडियो से परिचय एवं उसके महत्व को समझ सकेंगे।

ILO 2 : समाचार पत्र और सोशल मीडिया के प्रति रुचि बढ़ेंगे।

CO 3 : मीडिया एवं अच्छे साक्षात्कार के बारे में जानकारी देना।

ILO 1 : मीडिया और साक्षात्कार की प्रविधि से अवगत होंगे।

ILO 2 : अच्छे साक्षात्कारक के गुणों के बारे में जान सकेंगे।

CO 4 : साक्षात्कार लेने की प्रभावपूर्ण तरीका को सीखाना।

ILO 1 : साक्षात्कार लेने की कला से परिचित होंगे।

ILO 2 : प्रत्यक्ष साक्षात्कार के माध्यम से विद्यार्थी विशिष्ट व्यक्तियों के व्यक्तित्व से प्रभावित होंगे।

Title of the Course : मीडिया के लिए साक्षात्कार

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	• मीडिया एवं साक्षात्कार का स्वरूप • मीडिया में साक्षात्कार का महत्व	10	01	-	11
2 (15 marks)	**मीडिया में साक्षात्कार के प्रकार :** • टी. वी. • रेडियो • समाचार पत्र • सोशल मीडिया	10	01	-	11
3 (15 marks)	• मीडिया में साक्षात्कार की प्रविधि • अच्छे साक्षात्कारक के गुण	10	01	-	11
4 (15 marks)	**व्यावहारिक : (Practical)** • साहित्य एवं समाज के साथ जुड़े आंचलिक अथवा स्थानीय विशिष्ट व्यक्तियों का साक्षात्कार ग्रहण	5	01	-	12
	Total	35	04	-	45

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 30 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 5 marks
  (i) Class assignment / home assignment
  (ii) Class test / Unit test
  (iii) Group discussion
  (iv) Seminar
  (v) Quiz

सहायक ग्रंथ :

1. इलेक्ट्रानिक मीडिया भाषा लेखन कला तथा तकनीकी प्रविधि : डॉ. माया सगरे लक्का, विकास प्रकाशन, कानपुर।
2. इलेक्ट्रानिक मीडिया एवं सूचना प्रौद्योगिकी : डॉ. यू. सी. गुप्ता, अर्जुन, पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।
3. इलेक्ट्रानिक मीडिया : डी. एस. आलोक।
4. भारत में प्रिंट, इलेक्ट्रानिक और न्यु मीडिया : संदीप कुलश्रेष्ठ, प्रभाव प्रकाशन, नयी दिल्ली।

::::::::::

SEMESTER II

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 56 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	**:**	**हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और भक्तिकाल**
Course Code	**:**	**HINMAJ2**
Nature of the Course	**:**	**Major**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

साहित्य किसी संस्कृति का ज्ञात कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हिन्दी साहित्य के विद्यार्धियों को हिन्दी साहित्य के इतिहास से परिचय होना जरुरी है। इस पत्र में इतिहास की परिभाषा, स्वरुप तथा हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, काल विभाजन एवं उसकी त्रुटियाँ, नामकरण की समस्या आदि पर विचार करते हुए आदिकालीन तथा भक्तिकालीन साहित्य पर एवं भक्तिकालीन काव्यधारा पर इस पत्र के पाठ्यक्रम में ध्यान दिया गया है, ताकि विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य की इतिहास के बारे में ज्ञान प्राप्त हो जाए। हिन्दी साहित्य के इतिहास से जब-तक विद्यार्थियों का परिचय नहीं होगा, तब-तक विद्यार्थियों का ज्ञान अधूरा माना जाएगा।

CO1 : इतिहास का सामन्य परिचय से परिचित कराना।

ILO 1 : विद्यार्थी इतिहास के अर्थ एवं स्वरुप को जान सकेगें।

ILO 2 : हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा को समझ सकेगें।

ILO 3 : हिन्दी साहित्य के आर्विभावकाल का निर्णय के बारे में जान सकेगें।

CO 2 : हिन्दी साहित्य के इतिहास के इतिहास से परिचित कराना।

ILO 1 : हिन्दी साहित्य का काल विभाजन के बारे में अवगत होगें।

ILO 2 : कालविभाजन की त्रुटियाँ के बारे में जानकारी प्राप्त होगी।

ILO 3 : नामकरण की समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त होगी।

CO 3 : हिन्दी साहित्य के प्रारंभिक काल से परिचित कराना।

ILO 1 : आदिकालीन परिस्थितियाँ एवं काव्यगत विशेषताओं से परिचित होगें।

ILO 2 : आदिकालीन साहित्य की विविध धाराओं को समझ सकेगें।

ILO 3 : अमीर खुसरो और विद्यापति के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझेगें।

CO 4 : हिन्दी साहित्य के भक्तिकाल या स्वर्णयुग से परिचित कराना।

ILO 1 : भक्तिकालीन परिस्थितियाँ एवं काव्यगत विशेषताओं से परिचित होगें।

ILO 2 : हिन्दी साहित्य के इतिहास के भक्तिकाल को स्वर्णयुग क्यों कहा जाता है - उसे समझेगें।

ILO 3 : अष्टछाप के आठ कवियों से परिचित कराना।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और भक्तिकाल

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	**इतिहास का सामान्य परिचय :** • इतिहास : अर्थ एवं स्वरूप • हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा • हिन्दी साहित्य के आर्विभावकाल का निर्णय	14	01	-	15
2 (15 marks)	**हिन्दी साहित्य के इतिहास का इतिहास :** • हिन्दी साहित्य का कालविभाजन • काल विभाजन की त्रुटियाँ • नामकरण की समस्या	14	01	-	15
3 (15 marks)	**आदिकाल : सामान्य विवेचन** • आदिकालीन परिस्थितियाँ एवं काव्यगत विशेषताएँ • आदिकालीन साहित्य की विविध धाराएँ : सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, चरित काव्य, रासो काव्य • अमीर खुसरो और विद्यापति के व्यक्तित्व एवं कृतित्व	14	01	-	15
4 (15 marks)	**भक्तिकाल : सामान्य परिचय** • भक्तिकालीन परिस्थितियाँ एवं काव्यगत विशेषताएँ • स्वर्णयुग • अष्टछाप के कवियों का परिचय	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक दृष्टिकोण, गणपति चन्द्रगुप्त, लोकभारती प्रकाशन।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० नगेन्द्र, डॉ० हरदयाल, मयुर पेपरबैक्स प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. हिन्दी साहित्य का सुगम इतिहास : डॉ० हरेराम पाठक, अनंग प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबु गुलाब राय, लक्ष्मीनारायण प्रकाशन, अगरा।

:::::::::::

SEMESTER II

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 56 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	**:**	**साहित्य का परिचय : भाग 2**
Course Code	**:**	**HINMIN2**
Nature of the Course	**:**	**Minor**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

साहित्य किसी संस्कृति का ज्ञात कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हिन्दी साहित्य के विद्यार्धियों को हिन्दी साहित्य के इतिहास से परिचय होना जरुरी है। इस पत्र में इतिहास की परिभाषा, स्वरुप तथा हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, काल विभाजन एवं उसकी त्रुटियाँ, नामकरण की समस्या आदि पर विचार करते हुए आदिकालीन तथा भक्तिकालीन साहित्य पर एवं भक्तिकालीन काव्यधारा पर इस पत्र के पाठ्यक्रम में ध्यान दिया गया है, ताकि विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य की इतिहास के बारे में ज्ञान प्राप्त हो जाए। हिन्दी साहित्य के इतिहास से जब-तक विद्यार्थियों का परिचय नहीं होगा, तब-तक विद्यार्थियों का ज्ञान अधूरा माना जाएगा।

CO1 : इतिहास का सामन्य परिचय से परिचित कराना।

ILO 1 : विद्यार्थी इतिहास के अर्थ एवं स्वरुप को जान सकेगें।

ILO 2 : हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा को समझ सकेगें।

ILO 3 : हिन्दी साहित्य के आर्विभावकाल का निर्णय के बारे में जान सकेगें।

CO 2 : हिन्दी साहित्य के इतिहास के इतिहास से परिचित कराना।

ILO 1 : हिन्दी साहित्य का काल विभाजन के बारे में अवगत होगें।

ILO 2 : कालविभाजन की त्रुटियाँ के बारे में जानकारी प्राप्त होगी।

ILO 3 : नामकरण की समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त होगी।

CO 3 : हिन्दी साहित्य के प्रारंभिक काल से परिचित कराना।

ILO 1 : आदिकालीन परिस्थितियाँ एवं काव्यगत विशेषताओं से परिचित होगें।

ILO 2 : आदिकालीन साहित्य की विविध धाराओं को समझ सकेगें।

ILO 3 : अमीर खुसरो और विद्यापति के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझेगें।

CO 4 : हिन्दी साहित्य के भक्तिकाल या स्वर्णयुग से परिचित कराना।

ILO 1 : भक्तिकालीन परिस्थितियाँ एवं काव्यगत विशेषताओं से परिचित होगें।

ILO 2 : हिन्दी साहित्य के इतिहास के भक्तिकाल को स्वर्णयुग क्यों कहा जाता है - उसे समझेगें।

ILO 3 : अष्टछाप के आठ कवियों से परिचित कराना।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : साहित्य का परिचय : भाग 2

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	**इतिहास का सामान्य परिचय :** • इतिहास : अर्थ एवं स्वरूप • हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा • हिन्दी साहित्य के आर्विभावकाल का निर्णय	14	01	-	15
2 (15 marks)	**हिन्दी साहित्य के इतिहास का इतिहास :** • हिन्दी साहित्य का कालविभाजन • काल विभाजन की त्रुटियाँ • नामकरण की समस्या	14	01	-	15
3 (15 marks)	**आदिकाल : सामान्य विवेचन** • आदिकालीन परिस्थितियाँ एवं काव्यगत विशेषताएँ • आदिकालीन साहित्य की विविध धाराएँ : सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, चरित काव्य, रासो काव्य • अमीर खुसरो और विद्यापति के व्यक्तित्व एवं कृतित्व	14	01	-	15
4 (15 marks)	**भक्तिकाल : सामान्य परिचय** • भक्तिकालीन परिस्थितियाँ एवं काव्यगत विशेषताएँ • स्वर्णयुग • अष्टछाप के कवियों का परिचय	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक दृष्टिकोण, गणपति चन्द्रगुप्त, लोकभारती प्रकाशन।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० नगेन्द्र, डॉ० हरदयाल, मयुर पेपरबैक्स प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. हिन्दी साहित्य का सुगम इतिहास : डॉ० हरेराम पाठक, अनंग प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबु गुलाब राय, लक्ष्मीनारायण प्रकाशन, अगरा।

:::::::::::

SEMESTER II

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE : SEC 2

(CREDIT - 3) (L - 40, T - 4, P - 1)

Total Marks - 75 (Th - 45 + IA - 30)

Title of the Course	:	**कम्प्यूटर अनुप्रयोग**
Course Code	:	**HINSEC2**
Nature of the Course	:	**Skill Enhancement Course**
Total Credits	:	**3**
Distribution of Marks	:	**45 (End Sem) + 30 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

आधुनिक युग सूचना और प्रौद्योगिकी का युग है, जिसमें कम्प्यूटर, इन्टरनेट, ई-मेल, सॉफ्टवेर, वैबसाइट आदि का उपयोग अनिवार्य हो गया है। अतः हिन्दी भाषा में कम्प्यूटर का प्रौद्योगिक ज्ञान होना भी आज के विद्यार्थियों के लिए परम आवश्यक हो गया है। इसे ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम बनाया गया है। इस पत्र को पढ़ने से सरकारी कार्यालयों में काम-काज करने में आसानी होगा।

CO1 : कम्प्यूटर में हिन्दी के प्रयोग का बारे में जानकारी देना।

ILO 1 : कम्प्यूटर में हिन्दी के आगमन के बारे में जान सकेंगे।

ILO 2 : कम्प्यूटर में देवनागरी के प्रयोग एवं उपयोगिता के बारे में सीखेंगे।

CO 2 : कम्प्यूटर में हिन्दी और देवनागरी लिपि में ई-मेल के व्यवहार को सीखाना।

ILO 1 : देवनागरी लिपि में ई-मेल पर सदेंश भेजना सीख सकेंगे।

ILO 2 : कम्प्यूटर में हिन्दी की सुविधाओं और चुनौतियों के बारे में ज्ञात होंगे और उचित प्रयोग को सीखेंगे।

CO 3 : कम्प्यूटर का व्याहारिक ज्ञान दिलाना।

ILO 1 : कम्प्यूटर पर देवनागरी लिपि में टाइप करना सीख सकेंगें।

ILO 2 : कम्प्यूटर पर देवनागरी में टंकण से लाभान्वित होंगे।

CO 4 : कम्प्यूटर पर व्यवहारिक रूप से कार्य करने के लिए प्रेरित कराना।

ILO 1 : व्यावहारिक रूप में हिन्दी वेबपेज निर्माण को सीखेंगे।

Title of the Course : कम्प्यूटर अनुप्रयोग

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (12 marks)	• कम्प्यूटर में हिन्दी का आगमन • कम्प्यूटर में देवनागरी का प्रयोग एवं उपयोगिता	10	01	-	10
2 (13 marks)	• ईमेल, देवनागरी लिपि में ईमेल का प्रयोग • कम्प्यूटर में हिन्दी : सुविधाएँ, चुनौतियां और भविष्य	10	01	-	10
3 (10 marks)	• कम्प्यूटर से हिन्दी भाषा शिक्षण • वेबसाइट • कम्प्यूटर में साफ्टवेयर	10	01	-	12
4 (10 marks)	• व्यावहारिक (Practical) • कम्प्यूटर में देवनागरी लिपि टंकण • हिन्दी वेबपेज निर्माण	5	01	06	13
	Total	35	04	06	45

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 30 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 5 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

सहायक ग्रंथ :

1. कम्प्यूटर के डाटा प्रस्तुतीकरण और भाषा सिद्धान्त : पी. के. शर्मा, डायनामिक पब्लिकेशन, नयी दिल्ली।
2. कम्प्यूटर और हिन्दी, प्रो. हरिमोहन, तक्षशीला प्रकाशन, दिल्ली।
3. कम्प्यूटर और हिन्दी भाषा, डॉ० अनिरुद्ध कुमार 'सुधांशु', जयंत शर्मा, नीलमणि भक्ता, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली।
4. कार्यालयी हिन्दी और कंम्प्यूटर, डॉ० पुनीत बिसारिया, डॉ० बीरेन्द्र सिंह यादप, डॉ० यतेंद्र सिंह कुशावाहा, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।

::::::::::

SEMESTER III

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 52 T - 8 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	:	**हिन्दी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल और आधुनिककाल**
Course Code	:	**HINMAJ3A**
Nature of the Course	:	**Major**
Total Credits	:	**4**
Distribution of Marks	:	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

हिन्दी साहित्य में रीतिकाल उस काल से है, जिसमें निश्चित प्रणाली के अनुसार काव्य-काल का विकास हुआ। अर्थात् भक्तिकाल के बाद रीतिकाल का नाम आता है, जिसका समय संवत् १७०० से १९०० तक माना जाता है। आधुनिक काल को हिन्दी साहित्य का सर्वश्रेष्ठ युग माना जा सकता है, जिसमें पद्य के साथ-साथ गद्य, समालोचना, कहानी, नाटक व पत्रकारिता का भी विकास हुआ। अतः इस काल के विषय में सम्यक अनुशीलन करना तथा जानकारी हासिल करना विद्यार्थियों के लिए अत्यन्त आवश्यक हो जाता है। इसे ध्यान में रखते हुए इस पत्र को पाठ्यक्रम में रखा गया है, ताकि विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य की सही दिशा एवं दशा का पता चल सकें।

CO1 : हिन्दी साहित्य के रीतिकाल से परिचित कराना।

ILO 1 : रीतिकाल का नामकरण से अवगत होंगे।

ILO 2 : रीतिकालीन विभिन्न परिस्थितियों के बारे में जान सकेगें।

ILO 3 : रीतिकाल की सामान्य विशेषताएँ एवं प्रमुख प्रवृत्तियाँ से परिचित होगें।

CO 2 : रीतिकालीन प्रमुख कवियों का आचार्यत्व एवं रीतिकालीन काव्यधाराओं के बारे में जानकारी मिलेगी।

ILO 1 : रीतिकालीन कवि केशवदास, देव, बिहारी, भूषण से परिचित होगें।

ILO 2 : रीतिकालीन काव्यधाराओँ के बारें में जान सकेगें।

CO 3 : आधुनिक काल से परिचित कराना।

ILO 1 : हिन्दी गद्य का आर्विभाव के बारे में जान सकेगें।

ILO 2 : हिन्दी गद्य के विकास का सोपान (भारतेन्दु युग एवं द्विवेदी युग) की सामान्य विशेषताओं को समझेगें।

ILO 3 : महावीर प्रसाद द्विवेदी तथा भारतेन्दु हरिश्चन्द्र से परिचित होगें।

CO 4 : इस युग के कवि तथा उपन्यासकार से परिचित कराना।

ILO 1 : इस युग के कवियों के बारे में जानकारी मिलेगी।

ILO 2 : वर्तमान युग में हिन्दी गद्य का विकास के बारे में जान सकेगें।

ILO 3 : महिला उपन्यासकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में जान सकेगें।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : हिन्दी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल और आधुनिककाल

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	**रीतिकाल : सामान्य परिचय** • रीतिकाल का नामकरण • रीतिकालीन परिस्थितियाँ • रीतिकाल की सामान्य विशेषताएँ एवं प्रमुख प्रवृत्तियाँ	14	01	-	15
2 (15 marks)	**रीतिकालीन प्रमुख कवियों का आचार्यत्व** • केशवदास, देव, बिहारी, भूषण **रीतिकालीन काव्यधारा :** • रीतिबद्ध • रीतिसिद्ध • रीतिमुक्त	14	01	-	15
3 (15 marks)	**आधुनिक काल : सामान्य विवेचन** • हिन्दी गद्य का आर्विभाव • हिन्दी गद्य के विकास का सोपान : भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग (सामान्य विशेषताएँ) • महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका प्रदेय • आधुनिक युग के प्रवर्तक : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	14	01	-	15
4 (15 marks)	**संक्षिप्त कवि परिचय :** • राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त, रामधारी सिंह 'दिनकर', माखनलाल चतुर्वेदी • वर्तमान युग में हिन्दी गद्य का विकास • महिला उपन्यासकार (व्यक्तित्व एवं कृतित्व) • सुभद्रा कुमारी चौहान • उषा प्रियंवदा	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक दृष्टिकोण, गणपति चन्द्रगुप्त, लोकभारती प्रकाशन।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्लष नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० नगेन्द्र, डॉ० हरदयाल, मयुर पेपरबैक्स प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. हिन्दी साहित्य का सुगम इतिहास : डॉ० हरेराम पाठक, अनंग प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबु गुलाब राय, लक्ष्मीनारायण प्रकाशन, अगरा।

::::::::::

SEMESTER III

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 56 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	:	**भारतेन्दु युग और द्विवेदी युग पर विचारधारा**
Course Code	:	**HINMAJ3B**
Nature of the Course	:	**Major**
Total Credits	:	**4**
Distribution of Marks	:	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

साहित्य समाज की उन्नत्ति और विकास की आधारशिला रखता है। हिन्दी साहित्य के संदर्भ में अमीर खुसरो से लेकर तुलसी, कबीर, जायसी, रहीम, प्रेमचंद, भारतेन्दु, द्विवेदी, निराला, नागार्जुन तक की श्रृंखला के रचनाकारों ने समाज नवनिर्माण में अभुतपूर्व योगदान दिया है। हिन्दी की साहित्यिक गतिविधियों की विकास-यात्रा में भारतेन्दु युग और द्विवेदी युग की विचारधाराओं पर ज्ञान हासिल करना विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है। इसे ध्यान में रखते हुए इस पाठ्यक्रम को प्रस्तुत किया गया है, ताकि विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य की सही दिशा एवं दशा का पता चल सके।

CO1 : भारतेन्दु युग के बारे में परिचित कराना।

ILO 1 : भारतेन्दु युग की अवधारणा के बारे में जान सकेगें।

ILO 2 : भारतेन्दु युग की प्रमुख प्रवृत्तियाँ के बारे में ज्ञान प्राप्त होगा।

ILO 3 : भारतेन्दु पूर्व काव्यधारा के बारे में सीखेगें।

ILO 4 : भारतेन्दुयुगीन साहित्य की सामान्य विशेषताओं के बारे में जान सकेगें।

CO 2 : भारतेन्दुयुगीन काव्यधारा से परिचित कराना।

ILO 1 : भारतेन्दुयुगीन विभिन्न काव्यधारा के बारे में सीखेगें।

ILO 2 : भारतेन्दुयुगीन प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ के बारे में ज्ञान प्राप्त होगा।

CO 3 : द्विवेदी युग के बारे में परिचित कराना।

ILO 1 : द्विवेदीयुग की अवधारणा के बारे में जान सकेगें।

ILO 2 : द्विवेदीयुग की प्रमुख प्रवृत्तियाँ के बारे में ज्ञान प्राप्त होगा।

ILO 3 : द्विवेदीयुग की काव्यधारा के बारें में सीखेगें।

ILO 4 : द्विवेदीयुगीन साहित्य की सामान्य विशेषताओं के बारे में जान सकेगें।

CO 4 : द्विवेदीयुगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं कवि की रचनाएँ बारे में परिचित कराना।

ILO 1 : द्विवेदीयुगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ के बारे में सीखेगें।

ILO 2 : द्विवेदी युगीन प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त होगा।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : भारतेन्दु युग और द्विवेदी युग पर विचारधारा

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	**भारतेन्दु युग (पूनर्जागरण काल) का परिचय :** • भारतेन्दु युग की अवधारणा • भारतेन्दु युग की प्रमुख प्रवृत्तियाँ • भारतेन्दु पूर्व काव्यधारा • भारतेन्दुयुगीन साहित्य की सामान्य विशेषताएँ	14	01	-	15
2 (15 marks)	**भारतेन्दु युगीन काव्यधारा :** • राष्ट्रीयता, सामाजिक चेतना, भक्ति-भावना, श्रृंगारिकता, प्रकृति-चित्रण समस्यापुर्ति, काव्यानुवाद **भारतेन्दु-युगीन प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ :** • भारतेन्दु हरिश्चन्द्र • बदरी नारायण, चौधरी 'प्रेमधन' • प्रताप नारायण मिश्र • जगन्मोहन सिंह • अम्बिकादत्त व्यास • राधाकृष्ण दास	14	01	-	15
3 (15 marks)	**द्विवेदी युग (जागरण-सुधार काल) का परिचय :** • द्विवेदी युग की अवधारणा • द्विवेदी युग की प्रमुख प्रवृत्तियाँ • द्विवेदी युग की काव्यधारा • द्विवेदी युगीन साहित्य की सामान्य विशेषताएँ	14	01	-	15
4 (15 marks)	**द्विवेदी युगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ :** • राष्ट्रीयता • सामान्य मानवता • नीति और आदर्श • वर्ण्य-विषय का क्षेत्र-विस्तार • हास्य-व्यंग्य काव्य • भाषा परिवर्तन • छन्द - वैविध्य **द्विवेदी युगीन प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ :** • महावीर प्रसाद द्विवेदी • अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' • मौथिलीशरण गुप्त • रामनरेश त्रिपाठी	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० नगेन्द्र, डॉ० हरदयाल, मयुर पेपरबैक्स प्रकाशन, नयी दिल्ली।
2. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबु गुलाब राय, लक्ष्मीनारायण प्रकाशन, अगरा।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
4. हिन्दी साहित्य का सुगम इतिहास : डॉ० हरेराम पाठक, अनंग प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : गणपति चन्द्रगुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

:::::::::::

SEMESTER III

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 56 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	**:**	**लोक साहित्य : सिद्धान्त एवं परम्परा**
Course Code	**:**	**HINMIN3**
Nature of the Course	**:**	**Minor**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

भारतवर्ष में लोक साहित्य का अक्षय भंडार है। लोक साहित्य के इस अक्षय भंडार में इतनी शक्ति छिपी हुई है कि उससे हम अपने देश की सामाजिक, ऐतिहासिक एवं राजनीतिक परिस्थितियों का देश-काल के अनुसार अध्ययन करते हुए उससे नई अवधारणाओं को जन्म दे सकते हैं। लोक साहित्य की परम्परा कदाचित उतनी ही पुरानी है, जितनी पुरानी मनुष्य जाति। अतं विद्यार्थियों को इस परंपरा को वर्तमान संदर्भ में जोड़कर उनमें परस्पर समन्वय स्थापित कर अध्ययन करना परम आवश्यक है। इसी बात को ध्यान में रखकर इसे पाठ्यक्रम में ध्यान दिया गया है।

CO1 : लोक साहित्य के बारे में जानकारी देना।

ILO 1 : लोक साहित्य की परिभाषा, महत्व एवं क्षेत्र से अवगत होगें।

ILO 2 : लोक साहित्य के भौगोलिक, पौराणिक एवं सामाजिक पृष्ठभूमि के बारे में समझ होगें।

ILO 3 : लोक साहित्य और लोक संस्कृति में अंतर को समझ सकेगें।

CO 2 : लोक साहित्य अध्ययन का विकास से परिचित कराना।

ILO 1 : लोक साहित्य संकलन की उद्देश्य, संकलन की विधि से परिचित होगें।

ILO 2 : लोक साहित्य संकलन की समस्या और समाधान के बारे में जानकारी मिलेगी।

CO 3 : लोक साहित्य की विविध विधाओं के प्रति रुचि पैदा कराना।

ILO 1 : लोकगीत की परिभाषा, विशेषताएँ, महत्व एवं प्रकार के बारे में सम्यक ज्ञान प्राप्त होगा।

ILO 2 : लोक कथा की परिभाषा, विशेषताएँ, महत्व एवं प्रकार के बारे में परिचय कराना।

ILO 3 : लोकगाथा की परिभाषा, विशेषताएँ, महत्व एवं प्रकारों से अवगत होगें।

ILO 4 : लोकनाट्य की परिभाषा, विशेषताएँ, महत्व एवं प्रकार के बारे में सम्यक ज्ञान प्राप्त होगा।

CO 4 : असमिया लोक साहित्य से परिचय कराना।

ILO 1 : असमिया लोक साहित्य का सामान्य परिचय एवं लक्षण के बारे में परिचित कराना।

ILO 2 : लोकगीत में से बिहुगीत, संस्कार गीत, ऋतु विषयक गीतों से परिचित होगें।

ILO 3 : असमिया लोककथा और समाज के बारे में जानकारी मिलेगी।

ILO 4 : लोकगाथा जैसे-लौकिक मालिता में से जयमंती कुँवरी की मालिता से परिचय कराना।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : लोक साहित्य : सिद्धान्त एवं परम्परा

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	• लोक साहित्य : परिभाषा, महत्व एवं क्षेत्र • लोक साहित्य : भौगोलिक, पौराणिक एवं सामाजिक पृष्ठभूमि • लोक साहित्य और लोक संस्कृति में अंतर	14	01	-	15
2 (15 marks)	**लोक साहित्य अध्ययन का विकास :** • लोक साहित्य का संकलन : उद्देश्य, संकलन की विधि • लोक साहित्य संकलन की समस्या और समाधान	14	01	-	15
3 (15 marks)	**लोक साहित्य की विविध विधाएँ :** **(परिभाषा, बिशेषताएँ, महत्व)** • लोकगीत • लोककथा • लोकगाथा • लोकनाट्य	14	01	-	15
4 (15 marks)	**असमिया लोक साहित्य : सामान्य परिचय एवं लक्षण** • लोकगीत : बिहुगीत, संस्कार गीत, ऋतु विषयक गीत • लोककथा : असमिया लोककथा और समाज • लोक गाथा : लौकिक मालिता (जयमती कुंवरी की मालिता)	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. लोक साहित्य के सिद्धान्त एवं परम्परा : डॉ० श्रीराम शर्मा, हरीश प्रकाशन मन्दिर, आगरा।
2. लोक साहित्य की भूमिका : कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद।
3. असमिया लोक साहित्य : एक विश्लेषण : डॉ० हरेराम पाठक, गोपिका प्रकाशन, लखनऊ।
4. गोवालपरिया लोक साहित्य : स्वरुप और मूल्यांकन : डॉ० समीर कुमार झा, कौस्तुभ प्रकाशन, डिब्रुगड़, असम।

:::::::::::

SEMESTER III

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

COURSE : SEC 3

(CREDIT - 3) (L - 40, T - 4, P - 1)

Total Marks - 75 (Th - 45 + IA - 30)

Title of the Course	:	**अनुवाद कौशल**
Course Code	:	**HINSEC3**
Nature of the Course	:	**Skill Enhancement Course**
Total Credits	:	**3**
Distribution of Marks	:	**45 (End Sem) + 30 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

आधुनिक युग में मानव की सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक जरूरत के साथ-साथ कार्यालयीन कामकाज की आवश्यक शर्त बन गया है। अतः अनुवाद की प्रविधि एवं प्रयोग की विस्तृत चर्चा आवश्यक है। आज के वैज्ञानिक युग में अनुवाद का प्रयोजन संकुचित धरातल से हटकर बहुआयामी परिप्रेक्ष्य में उजागर हो रहा है। आधुनिक युग में जहाँ ज्ञान-विज्ञान के नए-नए क्षेत्र खुल रहे हैं, कम्प्यूटर तकनालॉजी की होड़ सी लग रही हैं, वहाँ अनुवाद की महत्ता भी स्वयं सिद्ध होने लगी है। ऐसे में विद्यार्थियों को अनुवाद प्रविधि एवं प्रयोग के बारे में ज्ञानार्जित करना प्रायः अनिवार्य बन गया है। इस बात को ध्यान में रखकर इस पत्र को पाठ्यक्रम में स्थान दिया गया है।

CO1 : अनुवाद के स्वरूप और क्षेत्र के बारे में जानकारी देना।

ILO 1 : अनुवाद के अर्थ, स्वरूप और क्षेत्र जान सकेंगे।

ILO 2 : साहित्यिक और साहित्येत्तर अनुवाद समझ सकेंगे।

CO 2 : अनुवाद की प्रयोजनीयता, प्रक्रिया एवं प्रविधियों की जानकारी देना।

ILO 1 : वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अनुवाद की प्रयोजनीयता की समझ विकसित होगी।

ILO 2 : अनुवाद की प्रक्रिया एवं प्रविधि का समझ होंगे।

CO 3 : भाषा शिक्षण और अनुवाद तथा अनुवाद में त्रुटियाँ, पुनरीक्षण, अनुवाद का मूल्यांकन पर प्रकाश डालना।

ILO 1 : भाषा शिक्षण और अनुवाद से परिचित होंगे।

ILO 2 : अनुवाद की त्रुटियाँ, पुनरीक्षण और अनुवाद का मूल्यांकन कर पाने की क्षमता वृद्धि होगी।

CO 4 : परियोजना प्रस्तुतिकरण की प्रक्रिया को सीखना।

ILO 1 : हिन्दी से अंग्रेजी और अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद करने के लिए प्रेरित होंगे।

ILO 2 : अच्छे अनुवादक बनने की इच्छा जागृत होगी।

Title of the Course : अनुवाद कौशल

इकाई	विषय सूची	L	T	P	Total Hours
1 (12 marks)	• अनुवाद का अर्थ, स्वरूप और क्षेत्र • अनुवाद के प्रकार (साहित्यिक और साहित्येतर अनुवाद)	10	01	-	10
2 (13 marks)	• अनुवाद की प्रयोजनीयता • अनुवाद की प्रक्रिया एवं प्रविधि	10	01	-	10
3 (10 marks)	• भाषा शिक्षण और अनुवाद • अनुवाद में त्रुटियाँ, पुनरीक्षण, अनुवाद का मूल्यायन	10	01	-	12
4 (10 marks)	• परियोजना (Project) • साहित्यिक एवं साहित्येतर अनुवाद : हिन्दी से अंग्रेजी, अंग्रेजी से हिन्दी	5	01	06	13
	Total	35	04	06	45

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 30 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 5 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

सहायक ग्रंथ :

1. अनुवाद विज्ञान : डॉ भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
2. अनुवाद विज्ञान : सिद्धान्त और प्रयोग : डॉ. राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. अनुवाद कला सिद्धान्त और प्रयोग : डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया।
4. प्रारम्भिक अनुवाद विज्ञान सिद्धान्त और प्रयोग : अवधेश मोहन गुप्त, विक्रांत पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
5. अनुवाद भाषाएं - समस्याएँ : एन. ई. विश्वनाथ अय्यर, ज्ञान गंगा प्रकाशन, दिल्ली।

::::::::::

SEMESTER IV

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 56 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	:	**आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता**
Course Code	:	**HINMAJ4A**
Nature of the Course	:	**Major**
Total Credits	:	**4**
Distribution of Marks	:	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

हिन्दी साहित्य के इतिहास का आदिकाल (10 वीं से 13 वीं शताब्दी) से प्रारंभ होता है और मध्यकाल (14 वीं से 18 वीं शताब्दी) तक विस्तृत होता है। इस कालखंड में हिन्दी भाषा का विकास विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों के प्रभाव से हुआ। आदिकालीन एवं मध्यकालीन कविता में अनेक रचनाकारों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक भावनाओं को व्यक्त किया। आदिकाल में अनेक रचनाएँ वीर रस, श्रृंगार रस और भक्ति रस से युक्त थी। मध्यकालीन कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से भक्ति भावना को अभिव्यक्त किया। अतः इस काल के कवियों की रचनाओं को जाने बिना उस युग का मूल्यांकन करना संभव नहीं है। इसलिए, इस काल की कविताओं का अध्ययन विद्यार्थियों के लिए आवश्यक हो जाता है। इस बात का ध्यान रखते हुए पाठ्यक्रम में इस पत्र को रखा गया है।

CO1 : आदिकालीन हिन्दी कवि तथा उनकी कविताओं से परिचित कराना।

ILO 1 : आदिकालीन एवं मध्यकालीन कविता का विकास एवं विशेषताएँ के बारे में सीखेगें।

ILO 2 : आदिकालीन हिन्दी कवि विद्यापति और उनकी कविताओं से परिचित होगें।

ILO 3 : कवयित्री मीराबाई और उनकी कविताओं की जानकारी मिलेगी।

ILO 4 : रसखान की कविताओं से परिचित होगें।

CO 2 : मध्यकालीन हिन्दी कवि तथा उनकी कविताओं से परिचित कराना।

ILO 1 : कबीरदास और उनकी कविताओं से परिचित होगें।

ILO 2 : जायसी का नागमती वियोग खंड एवं नखरिख खंड के पदों के बारे में जानकारी मिलेगी।

CO 3 : सूरदास और तुलसीदास की कविताओं पर प्रकाश डालना।

ILO 1 : सूरदास के पदों से परिचित होंगे।

ILO 2 : तुलसीदास के 'विनय पत्रिका', 'कवितावली' और 'दोहावली' के पदों के बारे में जान सकेगें।

CO 4 : केशवदास के रामचन्द्रिका से परिचित कराना।

ILO 1 : केशवदास की रामचन्द्रिका के बारे में जान सकेगें।

ILO 2 : बिहारी के कुछ चुने हुए दोहों के माध्यम से उनकी भक्ति और नीति समझ पायेंगे।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	• आदिकालीन एवं मध्यकालीन कविता का संक्षिप्त विकास एवं विशेषताएँ **आदिकालीन हिन्दी कविता :** • **विद्यापति** : 1. देख-देख राधा रुप अपार 2. बड़ सुख-सार पाओल तुअ तीरे 3. हे हरि, हे हरि सुनिए स्रबन भरि • **मीराबाई** : 1. माई म्हारी हरिहूँ णा बूझ्याँ बात 2. बसो मेरे नैनन में नंदलाल 3. आवत मोरी गलियन में गिरधारी • **रसखान** : 1. मानुष हौं तौ वही 'रसखानि' 2. मोर-पंखा सिर ऊपर राखिहौं 3. सेस गनेस महेस दिनेस	14	01	-	15
2 (15 marks)	**मध्यकालीन हिन्दी कविता :** • **कबीर** : 1. दुलहिनीं गावहु मंगलचार 2. अवधू मेरा मनु मतिवारा 3. माया महा ठगिनी हम जानी • **जायसी** : 1. नागमती वियोग खंड (पद : 4, 5, 6, 7) 2. नखशिख खंड (पद : 1, 2, 3, 4)	14	01	-	15
3 (15 marks)	• **सूरदास** : 1. मेरौ मन अनत कहाँ सुख पावै 2. गोपालहि माखन खान दै 3. किलकत कान्ह घुटुरुवनि आवत • **तुलसीदास** : 1. अब लौं नसानी अब न नसैदौं ('विनय-पत्रिका' से) 2. सुनि सुन्दर बैन सुधारस साने, सयानी है जानकी जानी भली ('कवितावली' से) 3. दोहे (1, 2, 3, 4) (दोहावली से)	14	01	-	15
4 (15 marks)	• **केशवदास : ('रामचन्द्रिका' से)** 1. बानी जगरानी की उदारता बखानी जाय 2. हाथी न साथी न घोरे न चेरे न, गाऊँ न ठाऊँ को नाऊँ विलैहै। 3. बालक - मृणालनि ज्यों तोरि डारै सब काल • **बिहारी : प्रथम 8 (आठ) दोहे**	14	01	-	15
		56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. विद्यापति की पदावली, रामप्रसाद गोस्वामी असम हिन्दी प्रकाशन, गुवाहाटी।
2. मीराबाई की सम्पूर्ण पदावली : रामकिशोर शर्मा, सुजीत कुमार शर्मा, लोकभारती प्रकाशन।
3. जायसी ग्रन्थावली : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली।
4. मध्यकालीन काव्य-संग्रह : प्रस्तुतकर्ता : केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा विश्वविद्याल प्रकाशन, वाराणसी।
5. काव्य सुषमा : सत्यकाम विद्यालंकार, कश्मीरी गेट, दिल्ली।

:::::::::::

SEMESTER IV

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 56 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	:	**हिन्दी गद्य साहित्य : अतीत और वर्तमान**
Course Code	:	**HINMAJ4B**
Nature of the Course	:	**Major**
Total Credits	:	**4**
Distribution of Marks	:	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

भारतेन्दु युग हिन्दी गद्य के बहुमुखी विकास का युग है। हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य साहित्य से परिचय होना जरूरी है। हिन्दी में गद्य लेखन 19वीं शताब्दी के मध्य अर्थात आधुनिक युग में शुरू हुआ। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिन्दी गद्य की विकास यात्रा के साथ विभिन्न गद्य विधाओं के स्वरूप से विद्यार्थियों को परिचित कराना है। इसे ध्यान में रखते हुए इस पाठ्यक्रम को प्रस्तुत किया गया है, ताकि विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य साहित्य के अतीत से लेकर वर्तमान तक का सही दिशा एवं दशा का पता चल सकें।

CO1 : हिन्दी गद्य साहित्य से परिचित कराना।

ILO 1 : हिन्दी गद्य साहित्य का उद्‌भव और विकास के बारे में जानकारी मिलेगी।

ILO 2 : आदिकालीन हिन्दी गद्य के बारे में जान सकेगें।

ILO 3 : उत्तर आधुनिक गद्य के शक्ति, दुर्बलताएँ एवं समस्याएँ को समझ पायेगें।

CO 2 : हिन्दी निबंध साहित्य का विकास से परिचित कराना।

ILO 1 : भारतेन्दुयुगीन एवं द्विवेदीयुगीन निबंधों की सामान्य विशेषताओं के बारे में सीखेगें।

ILO 2 : छायावाद युगीन एवं छायावादोत्तर हिन्दी निबंधों के बारे में जानकारी मिलेगी।

ILO 3 : प्रमुख निबंधकारों की नयी प्रतिभाओं से परिचित होगें।

CO 3 : हिन्दी कहानी साहित्य का विकास से परिचित कराना

ILO 1 : कहानी साहित्य का उद्‌भव और विकास का जानकारी मिलेगी।

ILO 2 : विविध कहानी आन्दोलन और उनकी उपलब्धियाँ पर प्रकाश डालना।

ILO 3 : समकालीन रचनाकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होगें।

CO 4 : हिन्दी नाटकों के विकास से परिचित कराना।

ILO 1 : भारतेन्दु पूर्व नाटकों के अभाव के बारे में जानकारी मिलेगी।

ILO 2 : प्रसादयुगीन नाटकों से परिचित कराना।

ILO 3 : प्रेमचन्दोत्तर हिन्दी उपन्यासों पर प्रकाश डालना।

ILO 4 : मनोविश्लेषणवादी उपन्यासकारों के बारे में जान सकेगें।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : हिन्दी गद्य साहित्य : अतीत और वर्तमान

इकाई	**विषय. सूची**	**L**	**T**	**P**	**Total Hours**
1 (15 marks)	**गद्य साहित्य का परिचय :** • हिन्दी गद्य साहित्य का उद्‌भव और विकास : • आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, आधुनिककाल	14	01	-	15
2 (15 marks)	• उपन्यास और कहानी : सामान्य परिचय • नाटक और एकांकी : सामान्य परिचय • निबंध एवं हिन्दी की प्रकीर्ण विधाएँ : • जीवनी, आत्मकथा, यात्रावृत्त, संस्मरण, रेखाचित्र	14	01	-	15
3 (15 marks)	**हिन्दी कहानी : सामान्य परिचय** • हिन्दी कहानी साहित्य का उद्‌भव और विकास • विविध कहानी आन्दोलन और उनकी उपलब्धियाँ **समकालीन रचनाकार का सामान्य परिचय :** • भीष्म सहानी • मुक्तिबोध • मोहन राकेश • कृष्णा सोबती • मन्नु भण्डारी	14	01	-	15
4 (15 marks)	**हिन्दी नाटक विकास :** • भारतेन्दु पूर्व युग में नाटकों का अभाव • प्रसाद युगीन नाटक • प्रेमचन्दोत्तर हिन्दी उपन्यास • मनोविश्लेषणवादी उपन्यासकार : जैनेन्द्र, इलाचन्द्र जोशी, अज्ञेय	14 56	01 04	- -	15 60
	Total				

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबु गुलाब राय, लक्ष्मीनारायण प्रकाशन, अगरा।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
4. हिन्दी साहित्य का सुगम इतिहास : डॉ० हरेराम पाठक, अनंग प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : गणपति चन्द्रगुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

::::::::::::

SEMESTER IV

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 56 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	:	**हिन्दी कहानी साहित्य : अतीत और वर्तमान**
Course Code	:	**HINMAJ4C**
Nature of the Course	:	**Major**
Total Credits	:	**4**
Distribution of Marks	:	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

कहानी उतनी ही पुरानी है, जितनी मानव की बोली या भाषा। जब से मनुष्य ने कहना सीखा, तभी से कहानी का भी प्रारंभ हो गया। हिन्दी कहानी के प्रारंभ के अन्तसुत्रक भारत की प्राचीन कथा परम्परा से जुड़ा माननेवाले भी कुछ विद्वान है तो कुछ इस विधा को पाश्चात्य की देन मानते हैं। पिछले एक सदी में हिन्दी कहानी ने आदर्शवाद, यथार्थवाद, प्रगतिवाद, मनेविश्लेषणवाद, आंचलिकता आदि के दौर से गुजरते हुए सूदीर्घ मात्रा में अनेक उपलब्धियाँ हासिल की है। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल हिन्दी कहानी का आरम्भ किशोरीलाल गोस्वामी की 'इन्दुमती' (1909) से मानते हैं। चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' की कहानी 'उसने कहा था' से हिन्दी की आधुनिक कहानी का प्रारंभ होता है। हिन्दी कहानी साहित्य में नयेपन का प्रारंभ प्रेमचंद से होता है। सन 1950 ई. तक आते - आते कहानी के कथा-शिल्प में पर्याप्त परिवर्तन हो चुका था। प्रस्तुत पाठ्यक्रम में हिन्दी कहानी साहित्य के प्रमुख कहानीकारों की कहानियों का चयन विकास के आधार पर किया गया है।

CO1 : हिन्दी कहानी का जन्म एवं नामकरण से लेकर प्रमुख कहानीकारों के कहानियों से परिचित कराना।

- **ILO 1 :** हिन्दी कहानी का जन्म और नामकरण (1900-1910) के बारे में सीखेगें।
- **ILO 2 :** चन्द्रधर शर्मा गुलेरी की कहानी 'उसने कहा था' की मूल संवेदना से परिचित होगें।
- **ILO 3 :** प्रेमचन्द्र की 'कफन' कहानी के माध्यम से जीवन की वास्तविकता से परिचित होगें।
- **ILO 4 :** जयशंकर प्रसाद की 'पूरस्कार' कहानी की मूल संवेदना से अवगत होगें।

CO 2 : कहानीकार जैनेन्द्र कुमार, अज्ञेय और उपेन्द्रनाथ 'अश्क' की कहानियों से परिचित कराना।

- **ILO 1 :** जैनेन्द्र कुमार की 'पत्नी' कहानी के माध्यम से आदर्श चरित्र के बारे में सीखेगें।
- **ILO 2 :** अज्ञेय की कहानी 'शरणदाता' के माध्यम से विभाजन की त्रासदी को समझ सकेगें।
- **ILO 3 :** उपेन्द्रनाथ 'अश्क' की कहानी 'डाची' में व्यक्त मानवीय मूल्य जैसे कि मानवता, मित्रता एवं सहयोग का बोध करवाना।

CO 3 : कहानीकार मोहन राकेश फणीश्वरनाथ 'रेणु' और मन्नु भण्डारी के कहानियों से परिचित कराना।

ILO 1 : मोहन राकेश की कहानी 'मलबे का मालिक' से परिचित होगें।

ILO 2 : फणीश्वरनाथ 'रेणू' की कहानी 'तीसरी कसम' के माध्यम से सामाजिक न्याय और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के महत्व से परिचित होगें।

ILO 3 : मन्नु भंडारी की कहानी 'यही सच है' की मूल संवेदना से परिचित होगें।

CO 4 : कहानीकार कृष्णा सोबती, शिवप्रसाद सिंह, ज्ञानरंजन के कहानियों से परिचित कराना।

ILO 1 : कृष्णा सोबती की कहानी 'सिक्का बदल गया' से परिचित होगें।

ILO 2 : शिवप्रसाद सिंह की कहानी 'नन्हों' के माध्यम से मूल संवेदना से परिचित होगें।

ILO 3 : ज्ञानरंजन की कहानी 'पिता' का रसास्वादन करेंगे।

ILO 4 : कहानी साहित्य के भविष्य के बारे में जानकारी मिलेगा।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : हिन्दी कहानी साहित्य : अतीत और वर्तमान

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	**हिन्दी कहानी का जन्म और नामकरण (1900-1910)** • प्रारंभिक हिन्दी कहानियाँ : सामान्य परिचय **पाठ्य कहानियाँ :** • उसने कहा था : चन्द्रधर शर्मा गुलेरी • कफन : प्रेमचंद • पुरस्कार : जयशंकर प्रसाद	14 14	01 01	-	15 15
2 (15 marks)	• पत्नी : जैनेन्द्र कुमार • शरणदाता : अज्ञेय • डाची : उपेन्द्रनाथ 'अश्क'	14	01	-	15
3 (15 marks)	• मलबे का मालिक : मोहन राकेश • तीसरी कसम : फणीश्वरनाथ 'रेणू' • यही सच है : मन्नु भंडारी	14	01	-	15
4 (15 marks)	• सिक्का बदल गया : कृष्णा सोवती • नन्हों : शिवप्रसाद सिंह • पिता : ज्ञानरंजन • कहानी-साहित्य का भविष्य	56	04	-	60
	Total			-	

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी कहानी संग्रह डॉ० समीर कुमार झा और डॉ० जोनटि दुवरा, अधिकरण प्रकाशन, दिल्ली।
2. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. कहानी संग्रह : काशी हिन्दु विश्वविद्यालय, वाराणसी।
4. हिन्दी कहानियाँ : आचार्य रमाशंकर तिवारी, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ।
5. हिन्दी कहानी का इतिहास : गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

:::::::::::

SEMESTER IV

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI MAJOR

CREDIT - 4 (L - 56 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	**:**	**हिन्दी उपन्यास साहित्य : अतीत और वर्तमान**
Course Code	**:**	**HINMAJ4D**
Nature of the Course	**:**	**Major**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

उपन्यास गद्य लेखन की एक विधा है। हिन्दी में सामाजिक उपन्यासों का आधुनिक अर्थ में सूत्रपात प्रेमचंद से हुआ। प्रेमचन्दोत्तर उपन्यासों में कार्ल मार्क्स, फ्रायड आदि के प्रभाव स्वरूप इन्होंने प्रगतिवादी और मनोविश्लेषणवादी विचारधारा के अनुकूल उपन्यास लिखें। इस पत्र में हिन्दी उपन्यास साहित्य के विकासक्रम के आधार पर उपन्यास रखा गया है, ताकि विद्यार्थियों के समक्ष हिन्दी उपन्यास साहित्य का रूप स्पष्ट हो सके।

CO1 : हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकार प्रेमचन्द और उनके उपन्यास से परिचित कराना।

ILO 1 : प्रेमचन्द के उपन्यास गोदान के महत्व को समझेंगे।

CO 2 : स्वांतत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य में प्रवल उपस्थिति रखनेवाले उपन्यासकार फणीश्वर नाथ 'रेणू' के उपन्यास मैला आँचल से परिचित कराना।

ILO 1 : फणीश्वरनाथ 'रेणू' के उपन्यास को समझ सकेगें।

CO 3 : महिला उपन्यासकार मृदुला गर्ग और उनके उपन्यास से परिचित कराना।

ILO 1 : मृदुला गर्ग के उपन्यास 'उसके हिस्से की धुप' को समझ सकेंगे।

CO 4 : उपन्यासकार मैत्रेयी पुष्पा और उनके उपन्यास से परिचित कराना।

ILO 1 : मैत्रेयी पुष्पा के उपन्यास 'फरिश्ते निकले' के माध्यम से जीवन मूल्यों को समझेंगे।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : हिन्दी उपन्यास साहित्य : अतीत और वर्तमान

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	**उपन्यासकार प्रेमचन्द** • पाठ्य उपन्यास : गोदान	14	01	-	15
2 (15 marks)	**उपन्यासकार फणीश्वरनाथ 'रेणु'** • पाठ्य उपन्यास : मैला आँचल	14	01	-	15
3 (15 marks)	**उपन्यासकार मृदुला गर्ग** • पाठ्य उपन्यास : उसके हिस्से की धुप	14	01	-	15
4 (15 marks)	**उपन्यासकार मैत्रेयी पुष्पा** • पाठ्य उपन्यास : फरिश्ते निकले	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी उपन्यास का इतिहास : डॉ. गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
2. उपन्यास साहित्य का विकास : डॉ. गुलाब राय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. हिन्दी उपन्यास का विकास : डॉ. मधुरेश, सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

::::::::::::

SEMESTER IV

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI MINOR

CREDIT - 4 (L - 56 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	**:**	**राजभाषा हिन्दी**
Course Code	**:**	**HINMIN4**
Nature of the Course	**:**	**Minor**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

हिन्दी हमारी राजभाषा है और यह उसका संवैधानिक अधिकार है। भारतीय संविधान में हिन्दी को राजभाषा का गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त होने के कारण हिन्दी का प्रयोजनमूलक रुप अत्यधिक उपयोगी तथा सक्रिय होने के साथ उसके प्रगामी प्रयोग की अनेक दिशाएँ उद्घाटित हुई है। अतः राजभाषा की संवैधानिक स्थिति, हिन्दी का प्रयोग-क्षेत्र, कार्यालयी हिन्दी एवं कार्यालयी हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली के बारे में विद्यार्थियों को ज्ञान प्राप्त होना आवश्यक हो जाता है। इसी बात को ध्यान में रखकर इसे पाठ्यक्रम में स्थान दिया गया है।

CO1 : हिन्ही भाषा की संकल्पना से परिचित कराना

ILO 1 : मौखिक, लिखित, मातृभाषा, साहित्यिक, सम्पर्क, संचार, सर्जनात्मक, राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा के बारे में ज्ञान प्राप्त होगा।

CO 2 : राजभाषा की संवैधानिक स्थिति के बारे में परिचित होगें।

ILO 1 : राजभाषा आयोग, संसदीय राजभाषा समिति, राष्ट्रपति का आदेश, राजभाषा अधिनियम, राजभाषा संकल्प, राजभाषा नियम, हिन्दी के प्रयोग संबंधी राष्ट्रपति के आदेश के बारे में सीखेगें।

CO 3 : हिन्दी के प्रयोग क्षेत्र से परिचित होगें।

ILO 1 : भाषा प्रयुक्ति की संकल्पन विशेषताएँ एवं प्रकारों के बारे में जान सकेगें।

CO 4 : कार्यालयी हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली को सीखेगें।

ILO 1 : कार्यालयी हिन्दी, पारिभाषिक शब्दावली की परिभाषा, विशेषताएँ एवं निर्माण के सिद्धान्त तथा प्रयोग के बारे में ज्ञान प्राप्त होगा।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : राजभाषा हिन्दी

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	**हिन्दी भाषा की संकल्पना :** • मौखिक भाषा • लिखित भाषा • मातृभाषा • साहित्यिक भाषा • सम्पर्क भाषा • संचार भाषा • सर्जनात्मक भाषा • राष्ट्रभाषा • राजभाषा	14	01	-	15
2 (15 marks)	**राजभाषा : संवैधानिक स्थिति** • राजभाषा आयोग (1955) • संसदीय राजभाषा समिति (1957) • राष्ट्रपति का आदेश (1960) • राजभाषा अधिनियम (1963) • राजभाषा संकल्प (1968) • राजभाषा नियम (1976) • हिन्दी के प्रयोग संबंधी राष्ट्रपति के आदेश - 1952, 1955, 1960	14	01	-	15
3 (15 marks)	**हिन्दी का प्रयोग क्षेत्र** • भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना • भाषा प्रयुक्ति की विशेषताएँ • भाषा प्रयुक्ति के प्रकार	14	01	-	15
4 (15 marks)	**कार्यालयी हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली :** • कार्यालयी हिन्दी तथा सामान्य हिन्दी में अन्तर • पारिभाषिक शब्दावली : परिभाषा एवं विशेषताएँ • निर्माण के सिद्धान्त • कार्यालयी पारिभाषिक शब्दावली के प्रयोग	14	01	-	15
	Total	56	04		60

-

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. कार्यालयी हिन्दी और कम्प्युटर : डॉ० अर्चना श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी -221001
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. डॉ० जोनटि दुवरा, राजभाषा हिन्दी, अधिकरण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धान्त और प्रयोग : दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. राष्ट्रभाषा विचार संग्रह : डॉ० न. चिं, जोगलेकर, पूणे विद्यार्थी गृह प्रकाशन, पूणे।

:::::::::::

SEMESTER V

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 36 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	**:**	**भारतीय काव्यशास्त्र**
Course Code	**:**	**HINMAJ5A**
Nature of the Course	**:**	**Major**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास वैदिक काल से प्रारंभ होता है, जहाँ वेदों में पद्यात्मक प्रार्थनाएँ और स्तुतियाँ मिलती है। काव्यशास्त्र परंपरा की शुरुआत भरतमुनि के 'नाट्यशास्त्र' से मानी जाती है। यह काव्यशास्त्र के जीवित परंपरा है, जिसमें हर युग में नए विचारों और सिद्धान्तों का समावेश होता रहा है। यह काव्यकृतियों के विश्लेषण के आधार पर समय-समय पर उद्भाषित सिद्धान्तों की ज्ञानराशि है। इस क्षेत्र की परंपरा, काव्य परंपरा, काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, शब्द शक्ति तथा विभिन्न साहित्य शास्त्रीय सिद्धान्तों को इस पाठ्यक्रम में रखा गया है, जो काव्यशास्त्र के महत्वपूर्ण उपलब्धि हैं। इस अध्ययन से विद्यार्थियों का साहित्य का मूल्यांकन करने की शक्ति विकसित होगी।

CO1 : भारतीय काव्यशास्त्र से परिचित कराना।

ILO 1 : भारतीय काव्यशास्त्र का उद्भव और विकास के बारे जानकारी प्राप्त होगे।

ILO 2 : काव्य का स्वरुप एवं लक्षण के बारे में भली-भाँति परिचित हो पायेगें।

CO 2 : काव्य के प्रजोजन और शब्द शक्ति के प्रकार अवगत कराना।

ILO 1 : काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य गुण एवं दोष से भली-भाँति परिचित हो पायेगे।

ILO 2 : काव्य में प्रयोग होनेवाले शब्द शक्ति की परिभाषा एवं प्रकार को समझ सकेगें।

CO 3 : भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्त रस एवं अलंकार के बारे में अवगत कराना।

ILO 1 : भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्त रस के बारे में समझ होगें।

ILO 2 : अलंकार की परिभाषा, काव्य में अलंकार का स्थान को समझेंगे।

CO 4 : ध्वनि एवं वक्तोक्ति सिद्धान्त की अवधारणा एवं वर्गीकरण प्रस्तुत करना।

ILO 1 : ध्वनि की परिभाषा एवं बर्गीकरण के बारे में जानकारी मिलेगें।

ILO 2 : वक्रोक्ति सिद्धान्त की परिभाषा एवं वर्गीकरण को समझकर काव्य में उसका यथा स्थान प्रयोग कर सकेगें।

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : भारतीय काव्यशास्त्र

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	• भारतीय काव्यशास्त्र का उद्‌भव और विकास • काव्य का स्वरूप एवं लक्षण	14	01	-	15
2 (15 marks)	• काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य गुण, काव्य दोष • शब्द शक्ति : परिभाषा, प्रकार - अभिधा, लक्षण, व्यंजना	14	01	-	15
3 (15 marks)	• रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण • अलंकार की परिभाषा, काव्य में अलंकारों का स्थान	14	01	-	15
4 (15 marks)	• ध्वनि सिद्धान्त : धनि की परिभाषा, ध्वनि का वर्गीकरण • वक्रोक्ति सिद्धान्त : वक्रोक्ति की परिभाषा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. सत्यदेव चौधरी, डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, नयी दिल्ली।
2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभरती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी आलोचना : डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. नगेंद्र, भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिकाष नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1998।
6. चौधरी, सत्यदेव, भारतीय काव्यशास्त्र, अलंकार प्रकाशन, नई दिल्ली, 2003।
7. मिश्र, भगीरथ, काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1995।
8. नगेंद्र, रस सिद्धांत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1999।
9. नगेंद्र, रीतिकाव्य की भूमिका, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002।
10. राय, गुलाब, काव्य के सिद्धांत और अध्ययन, आत्माराम एंड संस, दिल्ली, 2000।

:::::::::::

SEMESTER V

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 36 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	:	**पाश्चात्य काव्यशास्त्र**
Course Code	:	**HINMAJ5B**
Nature of the Course	:	**Major**
Total Credits	:	**4**
Distribution of Marks	:	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

पाश्चात्य काव्यशास्त्र पढ़ने से विद्यार्थियों में साहित्यिक चिंतन की गहरी समझ विकसित होती है, जिससे वे पश्चिमी साहित्यिक होती है, जिससे वे पश्चिमी साहित्यिक सिद्धान्तों, आलोचना पद्धतियों और महान चिन्तकों जैसे प्लेटो और अरस्तु के विचारो से परिचित हो पाते हैं। इस पाठ्यक्रम में पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास, नयी समीक्षा, विभिन्न वाद को मुख्य आकर्षण के रुप में रखा गया है।

CO1 : पाश्चात्य काव्यशास्त्र के उद्भव एवं विकास के साथ प्रमुख अवधारणाओं से परिचित कराना।

ILO 1 : पाश्चात्य काव्यशास्त्रियों के प्रमुख सिद्धान्त, विचारधाराएँ और उसकी विकास यात्रा जान सकेगें।

ILO 2 : पाश्चात्य काव्यशास्त्र के ऐतिहासिक विकास और सांस्कृतिक सदंर्भो को समझेगें।

CO 2 : लोंजाइनस, वडर्सवर्थ, कॉलरिज के साहित्यिक सिद्धान्त से परिचित कराना।

ILO 1 : पाश्चात्य दार्शनिक लोंजाइनस, वडर्सवर्थ, कॉलरिज के साहित्यिक सिद्धान्तों से अवगत होगें।

ILO 2 : साहित्यिक सिद्धान्तों और आलोचना के प्रमुख दृष्टिकोणों की पहचान और विश्लेषण कर सकेगें।

CO 3 : क्रोचे, टी. एस. इलियट, आई. ए. रिच्ड्र्स के साहित्यिक सिद्धान्तों के अनुप्रयोग के बारे में जानकारी देना।

ILO 1 : पाश्चात्य काव्यशास्त्रियों के सिद्धान्तों का गहन अध्ययन कर उसका अनुप्रयोग द्वारा साहित्यिक पाठों का मूल्यांकन कर पायेगें।

ILO 2 : विभिन्न काव्य रुपों और संरचनाओ को पहचानने और विश्लेषित करने का समझ होंगे।

CO 4 : नई समीक्षा एवं विभिन्न साहित्यिक वादों से परिचित कराना।

ILO 1 : आलोचनात्मक सोच और विश्लेषणात्मक कौशल का विकास कर पायेंगे।

ILO 2 : आधुनिक समीक्षा तथा विभिन्न साहित्यिक वादों से परिचित होंगे।

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	• प्लेटो : आदर्शवाद, शिक्षा सिद्धान्त • अरस्तू : अनुकृति एवं विरेचन सिद्धान्त	14	01	-	15
2 (15 marks)	• लोंजाइनस : काव्य में उदात्त की अवधारणा • वडर्सवर्थ : काव्य भाषा का सिद्धान्त • कॉलरिज : कल्पना और फैंटसी	14	01	-	15
3 (15 marks)	• क्रोचे : अभिव्यंजनावाद • टी. एस. इलियट : परंपरा की अवधारणा • आई. ए. रिचर्ड्स : मूल्य सिद्धान्त	14	01	-	15
4 (15 marks)	• नई समीक्षा, मार्क्सवादी समीक्षा, शास्त्रीयतावाद, शैली विज्ञान	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. सत्यदेव चौधरी, डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, नयी दिल्ली।
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त : डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभरती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी आलोचना : डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. हिन्दी आलोचना का विकास : मधुरेश, सुमित प्रकाशन इलाहाबाद।
6. संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद और प्राच्य काव्यशास्त्र : गोपीचन्द नारंग, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली।

:::::::::::

SEMESTER V

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 36 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	**:**	**आधुनिक हिन्दी कविता की विचारधारा (छायावाद तक)**
Course Code	**:**	**HINMAJ5C**
Nature of the Course	**:**	**Major**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

आधुनिक काल हिन्दी साहित्य का वह काल माना गया है, जिसमें हिन्दी का सम्पूर्ण विकास हुआ है। यह भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का युग था। इस समय में अधिकांश कविता की भाषा ब्रजभाषा थी, किन्तु खड़ीबोली को काव्य भाषा के रुप में प्रतिष्ठित करने प्रयास आरंभ हो गया था। दुसरी ओर अंग्रजी शासन तथा पश्चिम के संपर्क में आने के कारण भारतीय साहित्यकारों की दृष्टि में भी परिवर्तन होने लगा। सशस्त्र विद्रोह तथा नवजागरण का प्रभाव भी इस युग की कविता पर पड़ा है। मूलतः आधुनिक कविता में तत्कालीन युग चेतना, बदलते हुए परिवेश आदि के स्वर मुखरित हुए हैं। अतः इस युग के विषय में सम्यक अनुशीलन करना तथा जानकारी प्राप्त करना विद्यार्थियों के लिए अत्यन्त आवश्यक हो जाता है।

CO1 : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के साथ उनके दोहे से परिचित कराना।

ILO 1 : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में जान सकेगें।

ILO 2 : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की दोहें से परिचित होंगे।

CO 2 : अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' के काव्य तथा माखनलाल चतुर्वेदी के कविताओं से परिचित कराना।

ILO 1 : अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' के 'प्रियप्रवास' काव्य के बारे में जान सकेगें।

ILO 2 : माखनलाल चतुर्वेदी की कविता के माध्यम से राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत होगी।

CO 3 : छायावाद और छायावादी कवियों से परिचित कराना।

ILO 1 : जयशंकर प्रसाद के 'कामायनी' (श्रद्धा सर्ग) महाकाव्य को समझ सकेगें।

ILO 2 : सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की कविताओं से परिचित कराना।

CO 4 : सुमित्रानंदन पंत और महादेवी वर्मा की कविताओं से परिचित कराना।

ILO 1 : सुमित्रानंदन पंत की कविताओं से परिचित होंगे।

ILO 2 : महादेवी वर्मा की कविताओं में अभिव्यक्त आध्यात्मिक चेतना से परिचित होंगे।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : आधुनिक हिन्दी कविता की विचारधारा (छायावाद तक)

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	• भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : व्यक्तित्व एवं कृतित्व • भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : हिन्दी भाषा - 10 दोहे (1 से 10 तक)	14	01	-	15
2 (15 marks)	• अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' : प्रियप्रवास (षष्ठ सर्ग) प्रथम 6 छन्द • माखन लाल चतुर्वेदी : गीतों की राजा, पुष्प की अभिलाषा	14	01	-	15
3 (15 marks)	• जयशंकर प्रसाद : कामायनी (श्रद्धा सर्ग) • सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' : स्नेह निर्झर, तुम और मैं	14	01	-	15
4 (15 marks)	• सुमित्रनंदन पन्त : भारतमाता, प्रथम रश्मि • महादेवी वर्मा : मधुर वह था मेरा जीवन, मैं नीर भरी दुख की बदली	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  (i) Class assignment / home assignment
  (ii) Class test / Unit test
  (iii) Group discussion
  (iv) Seminar
  (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
2. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहावाद।
3. छायावादोत्तर कविता : डॉ. मनोज कुमार कलिता एवं अमृत चन्द्र कलिता, साहित्य सरोवर, आगरा।
4. मुक्तिबोध, गजानन माधव, कामायनी : एक पुनर्विचार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008।
5. सिंह, रामलाल, कामायनी अनुशीलन, वाणी प्रकाश, नई दिल्ली, 2000।
6. शास्त्री, जानकीवल्लभ, महाप्राण निराला, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009।
7. रघुवंश, आधुनिक कवि निराला, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली, 2006

:::::::::::

SEMESTER V

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 36 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	**:**	**राष्ट्रीय चेतना की अवधारणा (कविता के आधार पर)**
Course Code	**:**	**HINMIN5**
Nature of the Course	**:**	**Minor**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

राष्ट्रीय चेतना वह सामुहिक भावना है, जो नागरिकों को एक साझा राष्ट्र के रुप में एक साथ लाती है और उन्हें देश के प्रति गर्व, निष्ठा और कर्तव्य का अनुभव कराती है। हिन्दी साहित्य में राष्ट्रीयता की भावना एवं राष्ट्रीय चेतना अनंत काल से रही है। इसी भावनाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराना एवं उनके मन में राष्ट्रीयता की भावना जाग्रत कराना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य रहा है।

CO1 : राष्ट्र और राष्ट्रीय चेतना की अवधारणा से परिचित कराना।

ILO 1 : राष्ट्र, राष्ट्रीयता और राष्ट्रीय चेतना के अर्थ, परिभाषा एवं महत्व को समझेंगे।

ILO 2 : स्वतंत्रता के पूर्व राष्ट्रीय चेतना के विकास से परिचित होगें।

CO 2 : नवजागरण एवं आधुनिक हिन्दी कविता में राष्ट्रीय चेतना से अवगत कराना।

ILO 1 : नवजागरण एवं राष्ट्रीय चेतना का विकास को समझेगें।

ILO 2 : भारतेन्दु युग से छायावाद तक आधुनिक हिन्दी कविता में राष्ट्रीय चेतना का विश्लेषण कर पायेंगे।

CO 3 : हिन्दी साहित्य की राष्ट्रीय चेतना के प्रमुख कवियों से परिचित कराना।

ILO 1 : राष्ट्रीय चेतना के प्रमुख कवियों की राष्ट्रीय चेतना और देश भक्ति को समझ सकेंगे।

ILO 2 : राष्ट्रीय चेतना के प्रमुख कवियों का अध्ययन कर आलोचनात्मक सोच और विश्लेषणात्मक कौशल का विकास कर पायेगें।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : राष्ट्रीय चेतना की अवधारणा (कविता के आधार पर)

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	• राष्ट्र, राष्ट्रीयता और राष्ट्रीय चेतना : अर्थ, परिभाषा एवं महत्व • स्वतंत्रता के पूर्व राष्ट्रीय चेतना का विकास	14	01	-	15
2 (15 marks)	• नवजागरण एवं राष्ट्रीय चेतना का विकास • आधुनिक हिन्दी कविता में राष्ट्रीय चेतना (भारतेन्दु युग से छायाबाद तक)	14	01	-	15
3 (15 marks)	• हिन्दी साहित्य की राष्ट्रीय चेतना के प्रमुख कवि की कविता में राष्ट्रीय चेतना : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, अयोध्यासिंह उपाध्याय,'हरिऔध', मैथिलीशरण गुप्त	14	01	-	15
4 (15 marks)	• हिन्दी साहित्य की राष्ट्रीय चेतना के प्रमुख कवि का परिचय: जयशंकर प्रसाद, रामधारी सिंह 'दिनकर', सुभद्रा कुमारी चौहान, रामनरेश त्रिपाठी	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी काव्य में राष्ट्रीय चेतना : शुभ लक्ष्मी, नचिकेता प्रकाशन, नयी दिल्ली।
2. आधुनिक हिन्दी कविता में राष्ट्रीय चेतना : डॉ. माधुरी पाण्डेय गर्ग, नमन प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. आधुनिक हिन्दी कविता में राष्ट्रीय भावना : डॉ. सुधाकर शंकर कलवड़े, पुस्तक संस्थान, कानपुर।
4. रेणुका : रामधारी सिंह दिनकर, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. भारत भारती : मैथिलीशरण गुप्त, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

:::::::::::

SEMESTER VI

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 36 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	:	**भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा**
Course Code	:	**HINMAJ6A**
Nature of the Course	:	**Major**
Total Credits	:	**4**
Distribution of Marks	:	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

भाषा विज्ञान भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन है, जिसमें उसकी उत्पत्ति, स्वरुप, विकास और कार्यप्रणाली का विश्लेषण किया जाता है। हिन्दी भाषा का विकास भी इसी प्रक्रिया का हिस्सा है, जो एक हजार वर्षो के आदिकाल, मध्यकाल और आधुनिककाल से गुजरा है, जिसमें डिंगल, पिंगल, ब्रज और अवधी जैसी बोलियाँ विकसित हुई और अंततः खड़ीवोली मानक हिन्दी के रुप में स्थापित हुई। इन सभी को ध्यान में रखकर विषय को पाठ्यक्रम में रखा गया है।

CO1 : हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान से परिचित कराना

ILO 1 : हिन्दी भाषा के उद्भव और विकास का ज्ञान अर्जित कर पायेंगे।

ILO 2 : भाषाविज्ञान के स्वरुप, परिभाषा, शाखाएँ एवं महत्व को समझेगें।

CO 2 : भारोपीय परिवार एवं आर्य भाषाओं से परिचित कराना।

ILO 1 : भारोपीय परिवार और भारतीय आर्य भाषाएँ पर जानकारी मिलेगें।

ILO 2 : आधुनिक आर्य भाषाओं का विकास पर विश्लेषण कर पायेगें।

CO 3 : ध्वनि विज्ञान और वाक्य विज्ञान से परिचित कराना।

ILO 1 : ध्वनि विज्ञान और ध्वन्यात्मकता के सिद्धान्तों और अवधारणाओं को समझेंगे।

ILO 2 : वाक्यविज्ञान के अवधारणाओं एवं प्रकार का ज्ञान अर्जित कर पायेगें।

CO 4 : अर्थ विज्ञान और रुप विज्ञान से परिचित कराना।

ILO 1 : अर्थ विज्ञान की मूल अवधारणाओं के साथ-साथ इसके प्रकार और विशेषताओं को समझेगें।

ILO 2 : रुप विज्ञान के अवधारणा एवं महत्व को समझते हुए विभिन्न भाषाओं के रुप विज्ञान का विश्लेषण कर सकेगें।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	• हिन्दी भाषा : उद्भव और विकास • भाषा विज्ञान : स्वरुप, परिभाषा, शाखाएँ महत्व	14	01	-	15
2 (15 marks)	• भारोपीय परिवार और भारतीय आर्य भाषाएँ • आधुनिक आर्य भाषाओं का विकास	14	01	-	15
3 (15 marks)	• ध्वनि विज्ञान : स्वरुप एवं परिभाषा, प्रकार, विशेषताएँ, महत्व • वाक्य विज्ञान : स्वरुप एवं परिभाषा, प्रकार, विशेषताएँ, महत्व।	14	01	-	15
4 (15 marks)	• अर्थ विज्ञान : अवधारणा, विशेषताएँ, प्रकार, महत्व • रुप विज्ञान : स्वरुप, शाखाएँ, महत्व	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र : कविलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. भाषा विज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. भाषा विज्ञान का रसायन : कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. हिन्दी भाषा : डॉ. हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, लखनऊ।

:::::::::::

SEMESTER VI

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 36 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	:	**हिन्दी गद्य साहित्य : नाटक पर विचारधारा**
Course Code	:	**HINMAJ6B**
Nature of the Course	:	**Major**
Total Credits	:	**4**
Distribution of Marks	:	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

नाट्य रचना और अभिनय की भारतीय परंपरा बहुत पुरानी है। संस्कृत साहित्य में नाट्य-लेखन और रंगमंचीय प्रदर्शनों का एक लम्बा इतिहास रहा है। संस्कृत नाटकों के अनुकरण पर अन्य आधुनिक भारतीय भाषाओं के साथ-साथ हिन्दी में भी अनेक नाटकों की रचना की गयी है। हिन्दी नाटक के आधुनिक मौलिक स्वरुप का विकास भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के नाटकों में ही प्रतिफलित हुआ। भारतेन्दु तथा उनके समकालीन नाटकारों के बाद हिन्दी नाट्य-लेखन की एक लम्बी परंपरा चली। हिन्दी में पूर्णागिं नाटक के साथ-साथ एंकाकी की रचना भी होती रही। अतः हिन्दी साहित्य के विद्यार्थियों को समाज में चेतना जगाने, सांस्कृतिक मूल्यों को दर्शानि, मानवीय भावनाओं को अभिव्यक्त करने और सामाजिक समस्याओं पर विचार करने के लिए रुचि बढ़ाने को दृष्टि में रखकर इसे पाठ्यक्रम में रखा गया है।

CO1 : भारतेन्दु के नाटक से परिचित कराना।

ILO 1 : भारतेन्दु के भारत दुर्दशा नाटक के जरियें भारत की राष्ट्रीय दुर्दशा को समझेगें।

ILO 2 : भारतेन्दु के नाटक की कथावस्तु से परिचित होंगे।

CO 2 : जयशंकर प्रसाद के नाटकों से परिचित कराना

ILO 1 : ऐतिहासिक नाटक के स्वरुप को समझेगें।

ILO 2 : जयशंकर प्रसाद के नाटकों का रस ग्रहण करने में समर्थ होगें।

ILO 3 : जयशंकर के नाटकों के विषय में स्पष्ट धारणा बनेगी।

CO 3 : मोहन राकेश के नाटक से परिचित कराना।

ILO 1 : मोहन राकेश के नाटक के जरिये कालिदास के जीवन से समझेंगे।

ILO 2 : मोहन राकेश की नाट्य कला को समझेंगे।

ILO 3 : जयशंकर के नाटकों के विषय में स्वष्ट धारणा बनेगी।

CO 4 : गीतिनाट्य 'अंधायुग' एवं एंकाकी 'महाभारत की एक साँझ' से परिचित कराना।

ILO 1 : गीतिनाट्य एवं नाटक में अंतर्निहित अंतर को जानेगें।

ILO 2 : अंधायुग नाटक से गीतिनाट्य का ज्ञान प्राप्त होगा।

ILO 3 : एंकाकी के स्वरुप तथा तत्व से परिचित होगें।

ILO 4 : भारतभूषण अग्रवाल की नाट्य-शैली से परिचित होगें।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : हिन्दी गद्य साहित्य : नाटक पर विचारधारा

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	• भारत दुर्दशा : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	14	01	-	15
2 (15 marks)	• ध्रुवस्वामिनी : जयशंकर प्रसाद	14	01	-	15
3 (15 marks)	• आषाढ़ का एक दिन : मोहन राकेश	14	01	-	15
4 (15 marks)	गीतिनाट्य एवं एकांकी : • अधायुग : धर्मवीर भारती • महाभारत की एक साँझ : भारतभूषण अग्रवाल	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. नये एकांकी : (सं) अज्ञे, राजपाल एंडसंच, नयी दिल्ली।

:::::::::::

SEMESTER VI

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 36 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	:	**आधुनिक हिन्दी गद्य : निबंध**
Course Code	:	**HINMAJ6C**
Nature of the Course	:	**Major**
Total Credits	:	**4**
Distribution of Marks	:	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

हिन्दी साहित्य के इतिहास में आधुनिक काल को गद्य काल का नाम भी दिया गया है। इस काल में मुद्रण कला, पत्रकारिता, नवजागरण और स्वतंत्रता आन्दोलन ने लेखकों को गद्य साहित्य की रचना के लिए अनुकुल वातावरण प्रदान किया, साथ ही तकनीक के नए रुपों के विकास ने भी गद्य की नई विधाओं का रास्ता खोला। निबंध गद्य साहित्य की कसौटी भी है। निबंध का महत्व दिन प्रतिदिन बढ़ता चला जा रहा है। प्रस्तुत पत्र में हिन्दी साहित्य के कुछ चुने हुए निबंधों को स्थान दिया गया है। यहाँ निबंध के साथ ललित निबंध और व्यंग्य निबंध का भी संयोजन किया गया है, जिसके अध्ययन से विद्यार्थियों में गद्य की विभिन्न शैलियों के प्रति रुचि बढ़ेगी।

CO1 : बालकृष्ण भट्ट और प्रताप नारायण मिश्र के निबंध से परिचित कराना।

ILO 1 : बालकृष्ण भट्ट के निबंध के विषय में ज्ञान प्राप्त होगा।

ILO 2 : प्रताप नारायण मिश्र के निबंध को समझेगें।

CO 2 : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंध से परिचित कराना।

ILO 1 : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंध के विषय में ज्ञान प्राप्त होगा।

ILO 2 : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हजारी प्रसाद द्विवेदी की निबंध कला की जानकारी मिलेगी।

ILO 3 : निबंध लेखन के प्रति विद्यार्थियों की रुचि पैदा होगी।

CO 3 : इन्द्रनाथ मदान और हरिशंकर परसाई के निबधों की जानकारी देना।

ILO 1 : इन्द्रनाथ मदान और हरिशंकर परसाई के निबंध के बारे में जानेंगे।

ILO 2 : इन्द्रनाथ मदान और हरिशंकर परसाई के निबंधों के मूल स्वर को समझेंगे।

CO 4 : विद्यानिवास मिश्र और कुबेरनाथ राय के निबंध से परिचित होंगे।

ILO 1 : विद्यानिवास मिश्र और कुबेरनाथ राय के निबंध से परिचित होंगे।

ILO 2 : विद्यानिवास मिश्र और कुबेरनाथ राय के निबंध में व्यक्त संवेदना को समझेंगे।

ILO 3 : आलोचनात्मक सोच और रचनात्मक कौशल का विकास पर पायेंगे।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : आधुनिक हिन्दी गद्य : निबंध

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	• आत्मनिर्भरता : बालकृष्ण भट्ट • मनोयोग : प्रताप नरायण मिश्र	14	01	-	15
2 (15 marks)	• भाव या मनोविकार : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल • कल्पलता : हजारी प्रसाद द्विवेदी	14	01	-	15
3 (15 marks)	• झूठ बोलना भी एक कला है : इन्द्रनाथ मदान • भूत के पाँव पीछे : हरिशंकर परसाई	14	01	-	15
4 (15 marks)	• मेरे राम का मुकुट भीग रहा है : विद्या निवास मिश्र • संपाती के बेटे : कुबेरनाथ राय	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी निबंध और निबंधकार : डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

:::::::::::
:::::::::::

SEMESTER VI

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 36 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	:	**प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं प्रयोगात्मक क्षेत्र**
Course Code	:	**HINMAJ6D**
Nature of the Course	:	**Major**
Total Credits	:	**4**
Distribution of Marks	:	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

प्रयोजनमूलक हिन्दी शिक्षा, प्रशासन, व्यवसाय, विज्ञान, पत्रकारिता, संचार के विभिन्न क्षेत्रों आदि में प्रभावी ढंग से काम आता है। यह आधुनिक विधा शाखाओं के अन्तर्गत हिन्दी भाषा का एक व्यवहारिक पाठ्यक्रम हैं। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा की संरचना, विविधि शैलियाँ, प्रयुक्तियाँ तथा हिन्दी पारिभाषिक तथा वैज्ञानिक शब्दावली के बारे में जानकारी दी जाएगी, जो अत्यन्त लाभदायक एवं ज्ञानवर्धक होगा। प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं प्रयोगात्मक क्षेत्र का सटीक अध्ययन से विद्यार्थियों को रोजगार प्राप्ति में सहायक सिद्ध होगा। इस बात को ध्यान में रखकर इस पत्र को पाठ्यक्रम में स्थान दिया गया है।

CO1 : प्रयोजनमूलक हिन्दी की अवधारणा से परिचित कराना।

ILO 1 : प्रयोजनमूलक हिन्दी की परिभाषा, उद्देश्य एवं विशेषताएँ को समझेगें।

ILO 2 : प्रयोजनमूलक हिन्दी की महत्व, सामान्य हिन्दी तथा सर्जनात्मक हिन्दी एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी में अंतर को समझेगें।

CO 2 : हिन्दी का मानकीकरण, प्रयोजनमूलक हिन्दी की समस्या और समाधान एवं भाषा की संरचना से परिचित कराना।

ILO 1 : प्रयोजनमूलक हिन्दी की समस्या एवं समाधान को समझेगें।

ILO 2 : हिन्दी का मानकीकरण का ज्ञान प्राप्त होगें।

ILO 3 : हिन्दी भाषा की संरचना का ज्ञान प्राप्त करेगें।

CO 3 : प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रयोगात्मक क्षेत्र से परिचित कराना।

ILO 1 : प्रशासनिक एवं सरकारी कार्य के क्षेत्र को समझेगें।

ILO 2 : पत्रकारिता और मीडिया, शिक्षा और शैक्षिक सामग्री के प्रयोग क्षेत्र का ज्ञान प्राप्त होंगे।

ILO 3 : व्यापार एवं वाणिज्य, मनोरंजन और सिनेमा, तथा चिकित्सा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रयोजनमूलक हिन्दी का प्रयोग को समझेगें।

CO 4 : पारिभाषिक शब्दावली तथा वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली के प्रति ध्यान आकर्षित कराना।

ILO 1 : हिन्दी में विभिन्न क्षेत्रों में प्रयोग होनेवाले पारिभाषिक शब्दावली से परिचित हो पायेगें।

ILO 2 : वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली के ज्ञान प्राप्त करेगें।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं प्रयोगात्मक क्षेत्र

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	• प्रयोजनमूलक हिन्दी : अर्थ, स्वरुप उद्देश्य एवं विशेषताएँ • प्रयोजनमूलक हिन्दी की महत्व, सामान्य हिन्दी, सर्जनात्मक हिन्दी एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी में अंतर	14	01	-	15
2 (15 marks)	• हिन्दी का मानकीकरण • प्रयोजनमूलक हिन्दी की समस्या एवं समाधान • हिन्दी भाषा की संरचना : पद विन्यास, वाक्य विन्यास, हिन्दी शब्द समूह	14	01	-	15
3 (15 marks)	• प्रयोजनमूलक हिन्दी के बिभिन्न प्रयोगात्मक क्षेत्र (प्रशासनिक एवं सरकारी कार्य) • पत्रकारिता और मीडिया, शिक्षा और शैक्षिक सामग्री, व्यापार एवं वाणिज्य, मनोरंजन और सिनेमा, चिकित्सा और स्वास्थ्य)	14	01	-	15
4 (15 marks)	• पारिभाषिक शब्दावली : विशेषताएँ एवं महत्व • वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धान्त और प्रयोग : दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी के नए आयाम : डॉ पंडित बन्ने, अमन प्रकाशन, कानपुर।
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धान्त और व्यवहार : डॉ. नंदन प्रसाद, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

::::::::::

SEMESTER VI

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 36 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	**:**	**भारतीय साहित्य का परिचय**
Course Code	**:**	**HINMIN6**
Nature of the Course	**:**	**Minor**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

साहित्य किसी समाज या देश की आत्मा और उसकी सांस्कृतिक पहचान का चित्रण करता है, जिससे विभिन्न धर्मों और समुदायों के बीच संवाद स्थापित होता है। भारतीय साहित्य भारत की आत्मा और सांस्कृतिक पहचान का प्रतिबिंब है, जो राष्ट्र की ऐतिहासिक गहराई और सांस्कृतिक मूल्यों को दर्शाता है। भारतवर्ष बहु भाषी विशाल देश है। इन सभी भाषाओं का अपना-अपना स्वतंत्र साहित्य है। साहित्य की अखिल भारतीयता, संस्कृति की अखिल भारतीयता सामने लाती है। साहित्य की समानता राष्ट्रीय एकता की भावना की जनक होती है।

CO1 : भारतीय साहित्य से परिचित कराना।

ILO 1 : भारतीय साहित्य के स्वरुप एवं परिभाषा, विशेषता और महत्व को समझेगें।

ILO 2 : भारतीय साहित्य एवं संस्कृति के प्रति रुचि बढ़ेगी।

CO 2 : भारतीय भाषाओं के कवि और उनकी कविताओं से परिचित कराना।

ILO 1 : असमिया, उड़िया, तमिल, बांग्ला आदि भारतीय भाषाओं के प्रमुख कवि और उनकी कविताओं से परिचित होंगे।

ILO 2 : भारतीय साहित्य में निहित एकता और विविधता के आधार पर भारतीय साहित्य की मूलभूत एकता से भली भाँति परिचित हो सकेगें।

CO 3 : भारतीय साहित्य के कहानी साहित्य से परिचित कराना।

ILO 1 : असमिया कथाकार मामणि रायसम गोस्वामी की कहानी 'युद्ध' से परिचित होंगे।

ILO 2 : तमिल कथाकार अखिलन की कहानी 'संतान वरदान' से परिचित होंगे।

ILO 3 : बांग्ला कथाकार शारतचन्द्र चट्टोपाध्याय की कहानी 'अनुपमा का प्रेम' का रसास्वादन करेंगे।

CO 4 : प्रमुख भारतीय साहित्यकारों से परिचित कराना।

ILO 1 : नीलमणि फुकन, उमाशंकर जोशी, राधावल्लभ त्रिपाठी, चन्द्रप्रकाश देवल, अमृता प्रीतम आदि प्रमुख साहित्यकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में अवगत होगें।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : भारतीय साहित्य का परिचय

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	• भारतीय साहित्य : स्वरूप एवं परिभाषा, विशेषता और महत्व	14	01	-	15
2 (15 marks)	• असमिया कविता : पृथ्वी मेरी कविता : हीरेन भट्टाचार्य • उड़िया कविता : वर्षा की सुबह रमाकांत रथ • तमिल कविता : स्वतंत्रता सुब्रह्मव्य भारती • बांग्ला कविता : याद आना रवीन्द्रनाथ ठाकुर	14	01	-	15
3 (15 marks)	कहानी : • युद्ध (असमिया) : मामणि रायसम गोस्वामी • संतान वरदान (तमिल) : अखिलन • अनुपमा का प्रेम (बांग्ला) : शारतचन्द्र चट्टोपाध्याय	14	01	-	15
4 (15 marks)	लेखक के व्यक्तित्व एवं कृतित्व : • नीलमणि फुकन, • उमाशंकर जोशी • राधावल्लभ त्रिपाठी • चन्द्रप्रकाश देवल • अमृता प्रतीम	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  (i) Class assignment / home assignment
  (ii) Class test / Unit test
  (iii) Group discussion
  (iv) Seminar
  (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक भारतीय कविता : (सं) डॉ. अवधेश नारायण मिश्र, डॉ. नन्दकिशोर पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. भारतीय साहित्य प्रमुख दिशाएँ : डॉ. वी. के. गर्ग. हरियाणा ग्रंथ अकादमी, अकादमी भवन, पंचकुला।
3. भारतीय साहित्य की पहचान : (सं) सियाराम तिवारी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. भारतीय भाषा की पहचान : (सं) सियाराम तिवारी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

:::::::::::

SEMESTER VII

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 36 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	:	**छायावादोत्तर काल एवं कविता**
Course Code	:	**HINMAJ7A**
Nature of the Course	:	**Major**
Total Credits	:	**4**
Distribution of Marks	:	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

छायावादोत्तर काल जिसे 'शुक्लोत्तर युग' भी कहा जाता है। छायावादोत्तर युग में हिन्दी काव्यधारा बहुमुखी हो जाती है। छायावादोत्तर हिन्दी कविता एक सुदृढ़ काव्यधारा है, जो अनेक विशेषताओं को स्वयं में समाहित किये हुए हैं। उसको ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत पत्र को पाठ्यक्रम में स्थान दिया गया है।

CO1 : छायावादोत्तर काल की काव्य से परिचित कराना।

ILO 1 : छायावादोत्तर एवं प्रगतिशील काव्य से परिचित होगें।

ILO 2 : छायावादोत्तर काल की प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं के बारे ज्ञान प्राप्त होगें।

CO 2 : छायावादोत्तर कवि रामधारी सिंह 'दिनकर' और हरिवंशराय 'बच्चन' की कविताओं से परिचित कराना।

ILO 1 : छायावादोत्तर कविता से परिचित होगें।

ILO 2 : रामधारी सिंह 'दिनकर' और हरिवंशराय बच्चन की कविताओं का परिचय व ज्ञानप्राप्त होगा।

ILO 3 : छायावादोत्तर कविता के मूल स्वर समझेंगे।

CO 3 : केदारनाथ अग्रवाल और नागार्जुन की कविताओं से परिचित कराना।

ILO 1 : केदारनाथ अग्रवाल और नागार्जुन की कविताओं से परिचित होगें।

ILO 2 : केदारनाथ अग्रवाल और नार्गाजुन की कविताओं का शिल्पगत परिचय व ज्ञानप्राप्त होगें।

CO 4 : अज्ञेय और रामेश्वर शुक्ल 'अंचल' की कविताओं से परिचित कराना।

ILO 1 : सं. ही. वात्स्यायन 'अज्ञेय' और रामेश्वर शुक्ल 'अंचल' की कविताओं से परिचिति होगें।

ILO 2 : 'अज्ञेय' और 'अंचल' जी की कविताओ के सैद्धान्तिक पक्ष को समझेगें।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : छायावादोत्तर काल एवं कविता

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	• छायावादोत्तर एवं प्रगतिशील काव्य • छायावादोत्तर काल की पत्रिका	14	01	-	15
2 (15 marks)	• रामधारी सिंह 'दिनकर' : हिमालय के प्रति, कुरुक्षेत्र • हरिवंशराय बच्चन : नीड़ का निर्माण, मधुशाला	14	01	-	15
3 (15 marks)	• केदारनाथ अग्रवाल : लेखक की स्वतन्त्रता, चन्द्र गहना से लौटती बेर • नागार्जुन : अकाल और उसके बाद, कालिदास	14	01	-	15
4 (15 marks)	• सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' : साँप के प्रति, नदी के द्वीप • रामेश्वर शुक्ल 'अंचल' : काँटे कम से कम मत बोओ, जब नींद नहीं आती होगी !	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. काव्य सुषमा, संपादक : सत्यकाम विद्यालंकार, नया साहित्य, कश्मीरीगेट, दिल्ली प्रकाशन।
2. आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य की इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहवाद।
4. छायावादोत्तर कविता : डॉ. मनोज कुमार कालीता एवं अमृत चन्द्र कालीता, साहित्य सरोवर, आगरा।

:::::::::::

SEMESTER VII

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 36 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	**:**	**हिन्दी पत्रकारिता के विविध पक्ष**
Course Code	**:**	**HINMAJ7B**
Nature of the Course	**:**	**Major**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

पत्र-पत्रिकाओं का महत्व बहुआयामी है। पत्र-पत्रकाएँ केवल समाचार प्राप्ति के साधन ही नहीं, बल्कि ये समाज में ज्ञान का प्रसार भी करती है। हिन्दी पत्रकारिता का हिन्दी साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। ये पत्र-पत्रिकाओं ने हिन्दी साहित्य को एक नयी दिशा प्रदान की थी। अतः इन पत्र-पत्रिकाओं से विद्यार्थियों को परिचय कराना बेहद जरुरी हो जाता है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम में पत्रकारिता का अर्थ एवं अवधारणा, हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास, तत्कालीन प्रवृत्तियाँ तथा प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं का संक्षिप्त परिचय आदि रखा गया है, जिसमें विद्यार्थी पत्रकारिता के विविध पक्षो से परिचित होंगे। पत्रकारिता के प्रति आकर्षण उत्पन्न कराना तथा पत्रकारिता के माध्यम से अपनी आजीविका का संधान कराना इस पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य है।

CO1 : पत्रकारिता के इतिहास के साथ-साथ अर्थ, अवधारणा, विशेषताएँ एवं महत्व से परिचित कराना।

ILO 1 : पत्रकारिता के अर्थ एवं अवधारणा, विशेषताएँ तथा महत्व से परिचित होंगे।

ILO 2 : हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास को समझेगें।

CO 2 : भारतेन्दुयुगीन तथा द्विवेदीयुगीन पत्रकारिता से परिचित कराना।

ILO 1 : भारतेन्तुयुगीन तथा द्विवेदीयुगीन पत्रकारिता के प्रवृत्तियाँ एवं महत्व से ज्ञान प्राप्त होगें।

ILO 2 : पत्रकारिता के प्रति रुचि उत्पन्न होगी।

CO 3 : छायावादयुगीन पत्रकारिता एवं स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता से परिचित कराना।

ILO 1 : छायावादयुगीन पत्रकारिता और स्वांतत्र्योत्तर पत्रकारिता से परिचित कराना।

ILO 2 : छायावादयुगीन तथा स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता में अंतर्निहित अंतर को समझेगें।

CO 4 : समकालीन पत्रकारिता की स्थिति और समस्याएँ तथा हिन्दी साहित्य की प्रमुख पत्र-पत्रिकाएँ के बारे में अवगत कराना।

ILO 1 : समकालीन पत्रकारिता की स्थिति एवं समस्याएँ को समझेगें।

ILO 2 : पत्रकारिता की दृष्टि एवं दिशा के बारे में अवगत होगें।

ILO 3 : पत्रकारिता में नैतिक दायित्वों और कानुनी प्रतिबद्धताओं के बारे में ज्ञान प्राप्त होगें।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : हिन्दी पत्रकारिता के विविध पक्ष

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	• पत्रकारिता : अर्थ एवं अवधारणा, विशेषताएँ, महत्व • पत्रकारिता का इतिहास	14	01	-	15
2 (15 marks)	• भारतेन्दुयुगीन पत्रकारिता : परिचय, प्रवृत्तियाँ, महत्व • द्विवेदीयुगीन पत्रकारिता : स्वरुप, प्रवृत्तियाँ, महत्व	14	01	-	15
3 (15 marks)	• छायावादयुगीन पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ • स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ	14	01	-	15
4 (15 marks)	• समकालीन पत्रकारिता : स्थिति और समस्याएँ • हिन्दी प्रमुख पत्र-पत्रिकाएँ : कादम्बिनी, कविवचन सुधा, हिन्दी प्रदीप, हंस, जनसत्ता	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. पत्रकारिता के सिद्धान्त : डॉ. रमेशचन्द्र त्रिपाठी, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।
2. आधुनिक पत्रकारिता : डॉ. अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. हिन्दी पत्रकारिता : डॉ. धीरेन्द्र सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. पत्रकारिता का परिचय : डॉ. हरिमोहन, तक्षशीला प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. हिन्दी पत्रकारिता : डॉ. धीरेन्द्र सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

:::::::::::

SEMESTER VII

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 36 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	:	**हिन्दी आलोचना साहित्य**
Course Code	:	**HINMAJ7C**
Nature of the Course	:	**Major**
Total Credits	:	**4**
Distribution of Marks	:	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

हिन्दी आलोचना का आरंभ भारतेन्दु युग से माना जाता है। आलोचना साहित्य एक महत्वपूर्ण विधा है। इस पाठ्यक्रम का मुख्य लक्ष्य है विद्यार्थियों के मन और विवेक में आलोचनात्मक दृष्टि का विकास कराना। प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत आलोचना की व्युत्पत्ति, आलोचना की विकास धारा को रखा गया है, ताकि हिन्दी के विद्यार्थी आलोचना साहित्य से अच्छी तरह परिचित हो सके। हिन्दी के प्रमुख आलोचकों की आलोचना पद्धति एवं उनके आलोचना अध्ययन भी प्रस्तुत पाठ्यक्रम में रखा गया है।

CO1 : आलोचना के परिभाषा, प्रकार एवं महत्व तथा उद्‌भव और विकास से परिचित कराना।

ILO 1 : आलोचना के परिभाषा, प्रकार एवं महत्व को समझेगें।

ILO 2 : आलोचना के उद्‌भव और विकास से जानकारी मिलेगें।

CO 2 : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल तथा हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि से परिचित कराना।

ILO 1 : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल तथा हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि को समझेगें।

ILO 2 : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल तथा हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि में निहित अंतर को जानेंगे।

CO 3 : डॉ. नगेन्द्र और डॉ. रामविलास शर्मा के समीक्षा सिद्धान्तों से परिचित कराना।

ILO 1 : डॉ. नगेन्द्र और डॉ. रामविलास शर्मा के समीक्षा सिद्धान्तों से परिचित कराना।

ILO 2 : डॉ. नगेन्द्र और डॉ. रामविलास शर्मा के समीक्षात्मक निबंधों को समझेंगे।

CO 4 : हिन्दी के नए समीक्षीकों के बारे में ज्ञान प्राप्त होगा।

ILO 1 : डॉ. नामवर सिंह, डॉ. रामविलास शर्मा, नन्ददुलारे वाजपेयी, डॉ. बच्चन सिंह, अशोक बाजपेयी के समीक्षा सिद्धान्तों को जानेगें।

ILO 2 : आलोचनात्मक सोच और विश्लेषणात्मक कौशल का विकास होगा।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : हिन्दी आलोचना साहित्य

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	• आलोचना : परिभाषा, प्रकार, महत्व • आलोचना के उद्‌भव और विकास	14	01	-	15
2 (15 marks)	• हिन्दी आलोचना के काव्य सिद्धान्तों का सामान्य परिचय : • आचार्य रामचन्द्र शुक्ल • हजारी प्रसाद द्विवेदी	14	01	-	15
3 (15 marks)	• हिन्दी आलोचना के समीक्षा सिद्धान्त : • डॉ. नगेन्द्र • डॉ. रामविलास शर्मा	14	01	-	15
4 (15 marks)	• हिन्दी के नए समीक्षक का व्यक्तित्व एवं कृतित्व : डॉ. नामबर सिंह, डॉ. रामविलास शर्मा, नन्ददुलारे वाजपेयी, डॉ. बच्चन सिंह, अशोक वाजपेयी	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी आलोचना का विकास : नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
2. चिंतामणि (भाग - 1) : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, इंडियन प्रेस लिमिटंड, प्रयाग।
3. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना : डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

:::::::::::

SEMESTER VII

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 36 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	**:**	**मीडिया और समाज**
Course Code	**:**	**HINMIN7**
Nature of the Course	**:**	**Minor**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

मीडिया और समाज के बीच सहजीवी सम्बन्ध है। समाज का इतिहास लाखों वर्षो का है, जब कि मीडिया विशेष रुप से जन संचार माध्यमों का, एक सदी से थोड़े अधिक मात्र का। आज का युग मीडिया का युग है। पठन-पाठन के अनुभवों में एक नया मोड़ आया है। हिन्दी के क्षेत्र में सोशल मीडिया की भूमिका को नकार नहीं सकते हैं। मीडिया के पढ़ाई के साधन विविध रुपों में उपलब्ध करता है, जिसे छात्र ग्रहण करते हैं। एक छात्र के लिए मीडिया बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

CO1 : मीडिया के बारे में विस्तृत जानकारी देना।

ILO 1 : मीडिया के अर्थ एवं परिभाषा तथा उनके महत्व को पहचानेगें।

ILO 2 : मीडिया के विविध प्रकार एवं उनकी उपयोगिता को समझेंगे

CO 2 : मीडिया लेखन एवं विज्ञापन लेखन के बारे में ज्ञान प्राप्त कराना।

ILO 1 : समाचार लेखन की कला एवं शैली से परिचित होंगे।

ILO 2 : विज्ञापन लेखन के परिभाषा, उद्देश्य एवं महत्व को समझेगें।

CO 3 : नव इलेक्ट्रानिक मीडिया और उनकी हिन्दी में वर्तमान स्थिति से परिचित कराना।

ILO 1 : नव इलेक्ट्रानिक मीडिया के स्वरुप और महत्व को समझेगें।

ILO 2 : नव इलेक्ट्रानिक मीडिया में हिन्दी की वर्तमान स्थिति को जानेगे।

CO 4 : सोशल मीडिया के समाज पर प्रभाव के बारे में परिचित कराना।

ILO 1 : सोशल मीडिया के अवसर और चुनौतियाँ से ज्ञान प्राप्त होगें।

ILO 2 : सोशल मीडिया का समाज पर प्रभाव के प्रति ध्यान बढ़ेगें।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : मीडिया और समाज

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	• मीडिया : अर्थ एवं परिभाषा, महत्व • मीडिया के विविध रुप (प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया, टेलीविजन, रेडियो और सिनेमा) एवं उनकी उपयोगिता	14	01	-	15
2 (15 marks)	• मीडिया लेखन : समाचार लेखन (रेडियो और टेलीविजन) • विज्ञापन लेखन : अर्थ एवं परिभाषा, उद्देश्य और महत्व	14	01	-	15
3 (15 marks)	• नव इलेक्ट्रनिक मीडिया : स्वरुप एवं महत्व • नव इलेक्ट्रानिक मीडिया में हिन्दी की वर्तमान स्थिति	14	01	-	15
4 (15 marks)	• सोशल मीडिया अवसर और चुनौतियाँ • सोशल मीडिया का समाज पर प्रभाव	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. मीडिया विमर्श विविध आयाम : (सं) डॉ. माधुरी पाण्डेय गर्ग, राधा पब्लिकेशन, नयी दिल्ला।
2. दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन : डॉ. राजेन्द्र मिश्र, ईशिता मिश्र, तक्षाशीला प्रकाशन, दिल्ली।
3. नया मीडिया और नए मुद्दे : सुधीर पचौरी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

::::::::::
::::::::::

SEMESTER VIII

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 36 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	:	**भारतीय साहित्य एवं साहित्यकार**
Course Code	:	**HINMAJ8A**
Nature of the Course	:	**Major**
Total Credits	:	**4**
Distribution of Marks	:	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

किसी भी देश का साहित्य उसकी सांस्कृतिक अस्मिता की पहचान कराता है। भारत और भारतीयता को समझना है, तो हमें भारतीय साहित्य को समझना होगा। भारतवर्ष बहुभाषी विशाल देश है। इन सभी भाषाओं का अपना-अपना स्वतंत्र साहित्य है। साहित्य की अखिल भारतीयता, संस्कृति की अखिल भारतीयता सामने लाती है। साहित्य की समानता राष्ट्रीय एकता की भावना की जनक होती है।

CO1 : भारतीय साहित्य का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य से परिचित कराना।

ILO 1 : विद्यार्थी भारतीय साहित्य के ऐतिहासिक विकास और सांस्कृतिक संदर्भों को समझेंगे।

ILO 2 : विभिन्न कालखंडों में साहित्यिक विकास का विश्लेषण करेंगे।

CO 2 : विभिन्न भाषाओं और परम्पराओं का साहित्य से परिचित कराना।

ILO 1 : विद्यार्थी भारतीय साहित्य की विभिन्न भाषाओं और परम्पराओं का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

ILO 2 : प्रमुख भारतीय साहित्य कृतियों और लेखकों का अध्ययन करेंगे।

CO 3 : साहित्यिक विधाएँ और शैलियाँ से परिचित कराना।

ILO 1 : विद्यार्थी भारतीय साहित्य की प्रमुख विधाओं और शैलियों की पहचान करेंगे।

ILO 2 : लिभिन्न साहित्य शैलियों का विश्लेषण और उनकी विशेषताओं का मूल्यांकण करेंगे।

CO 4 : समकालीन भारतीय साहित्य एवं साहित्यकारों से परिचित कराना।

ILO 1 : विद्यार्थी समकालीन भारतीय साहित्य और इसके प्रमुख प्रवृतियों को समझेंगे।

ILO 2 : आधुनिक और समकालीन भारतीय साहित्यकारों और उनकी कृतियों का अध्ययन करेंगे।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : भारतीय साहित्य एवं साहित्यकार

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	• भारतीय साहित्य का स्वरूप, प्रमुख विशेषता, भारतीय साहित्य का महत्व	14	01	-	15
2 (15 marks)	• असमीया कविता : कविता - नीलमणि फुकन • पंजाबी कविता : मैं तुम्हें फिर मिलूँगी - अमृता प्रीतम • तमिल कविता : यह है भारत देश हमारा - सुब्रह्मण्यम भारती • उड़िया कविता : कालाहांडी - जगन्नाथ प्रसाद दास • बांगाल कविता : याद आना - रवीन्द्रनाथ ठाकुर	14	01	-	15
3 (15 marks)	कहानी : • युद्ध (असमीया) - मामणि रयसम गोस्वामी • अनुपमा का प्रेम (बांग्ला) - शारतचंद्र चट्टोपाध्याय • संतान वरदान (तमिल) - अखिलन	14	01	-	15
4 (15 marks)	लेखक परिचय : • अमृता प्रीतम, सुब्रह्मण्यम भारती, मामणि रायसम गोत्वामी, रवीद्रनाथ ठाकुर, शारतचंद्र चट्टोपाध्याय	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	M	S

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्य प्रमुख दिशाएँ : डॉ. वी. के. गर्ग, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, अकादमी भवन, पंचकुला।

2. आधुनिक भारतीय कविता : (सं) डॉ. अवधेश नारायण मिश्र, डॉ. नन्दकिशोर पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

:::::::::::

SEMESTER VIII

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 36 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	**:**	**लोक साहित्य एवं असमिया समाज**
Course Code	**:**	**HINMAJ8B**
Nature of the Course	**:**	**Major**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

लोक साहित्य लोक परंपरा का वाहक है। लोक साहित्य एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को हस्तांतरित होता है। औद्योगिक तथा मशीनी युग की सभ्यता के आलोक में प्रगति के डाक भरते हुए भी एक प्राण की पहचान इसके लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति के माध्यम से ही की जा सकती है। विद्यार्थियों को लोक साहित्य से परिचित होना अत्यंत आवश्यक है, ताकि पुरखों की परंपराएँ केवल सांस्कृतिक धरोहर तथा बीते हुए कल की आवाज मात्रा न रहकर युंग-युग तक जीवन सर्जन बनकर रहे।

CO1 : लोक साहित्य की अवधारणा एवं विशोषताओं की जानकारी देना।

ILO 1 : लोक साहित्य की अवधारणा एवं विशेषताओं के साथ-साथ ऐतिहासिक विकास और सांस्कृतिक संदर्भो को संमझेंगे।

ILO 2 : विभिन्न सममुदायों और समाजों में लोकसाहित्य की भूमिका और महत्व का विश्लेषण कर सकेंगे।

CO 2 : लोक साहित्य की विविध विधाओं का परिचय एवं उदाहरण के बारे में जानकारी देना।

ILO 1 : लोक साहित्य की विभिन्न विधाओं से परिचित होंगे।

ILO 2 : विभिन्न प्रकार के लोक साहित्य का अध्ययन और विश्लेषण कर सकेंगे।

CO 3 : लोक गीतों के वर्गीकरण के बारे में जानकारी देना।

ILO 1 : लोक गीतों के विभिन्न वर्गीकरण पहचान सकेंगे।

ILO 2 : लोक साहित्य के संकलन और संरक्षण के विषय में जान पायेंगे।

CO 4 : असमीया लोकसाहित्य से परिचित कराना।

ILO 1 : असम प्रांत में प्रचलित विभिन्न प्रकार के लोक साहित्य से परिचित हो पायेंगे।

ILO 2 : असमीया लोक साहित्य के विभिन्न प्रकारों का भी ज्ञान हासिल कर पायेंगे।

ILO 3 : प्रसिद्ध लोककथा तेजीमला में अंतर्निहित मानवीय मूल्यों को समझेंगे।

ILO 4 : प्रसिद्ध लोकगाथा धनवर रतनी के बारे में जान सकेंगे।

ILO 5 : डाक प्रवचन से परिचित होगे।

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : लोक साहित्य एवं असमिया समाज

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	• लोक साहित्य की अवधारणा एवं विशेषताएँ, लोक और साहित्य, लोक संस्कृति (लोकवार्ता) और लोक साहित्य, लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य, लोक भाषा और लोक साहित्य	14	01	-	15
2 (15 marks)	• लोक साहित्य की विविध विधाएँ (परिचय एवं उदाहरण) • लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य, लोक गाथा	14	01	-	15
3 (15 marks)	• लोकगीतों के वर्गीकरण : (संस्कार संबंधी गीत, ऋतु संबंधी गीत, व्रत संबंधी गीत, जाति संबंधी गीत, श्रम गीत, देवी-देवताओं के गीत, विविध)	14	01	-	15
4 (15 marks)	• असमीया लोक साहित्य : सामान्य परिचय • लोक गीत : बिहु गीत, निसुकनि गीत, विवाह गीत, कामरूपी लोकगीत, गोवालपरीया लोक गीत • लोककथा : तेजीमला • लोक गाथा : धनवर रतनी • डाक प्रवचन	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	S	S

सहायक ग्रंथ :

1. लोक साहित्य की भूमिका : कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद।
2. लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग : डॉ. श्रीराम शर्मा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
3. असमिया लोक समाज में डाक प्रवचन : डॉ. जोनाली बरुवा, नर्मदा प्रकाशन, लखनऊ।
4. गोवालपरिया लोक साहित्य : स्वरूप और मूल्यांकन : डॉ. समीर झा, कौस्तुभ प्रकाशन, डिब्रूगड़, असम।

:::::::::::

SEMESTER VIII

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 36 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	:	**विज्ञापन कला**
Course Code	:	**MINHIN8**
Nature of the Course	:	**Minor**
Total Credits	:	**4**
Distribution of Marks	:	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

विज्ञापन एक कला है। विज्ञापन का मूल तत्व यह माना जाता है कि जिस वस्तु का विज्ञापन किया जा रहा है, उसे लोग पहचान जाएँ और उसको अपना लें। समय के साथ बदलते हुए समाचार पत्र, रेडियो-स्टेशन, सिनेमा के पट व दूरदर्शन अब इंनका माध्यम बन गये हैं। प्रस्तुत पाठ्यक्रम के जरिये विद्यार्थी को जानकारी मिलेगी कि इसमें लोगों के जीवन में कैसा क्रांतिकारी परिवर्तन किया है। इन सभी बातों को ध्यान में रखकर इसे पाठ्यक्रम में स्थान दिया गया है।

CO1 : विज्ञापन के महत्व पर प्रकाश डालना।

ILO 1 : विज्ञापन की परिभाषा, स्वरूप, महत्व एवं उपयोगिता समझ सकेंगे।

ILO 2 : विज्ञापन के विभिन्न प्रकारों से परिचित होंगे।

CO 2 : विज्ञापन के विविध माध्यम एवं उपयोगिता के बारे में जानकारी देना।

ILO 1 : विज्ञापन के विविध माध्यम से परिचित हो सकेंगे।

ILO 2 : आज के युग में विज्ञापन कितना उपयोगी है उसे जान पायेंगे।

CO 3 : विज्ञापन लेखन की कला एवं विशेषताओं से परिचित कराना।

ILO 1 : विज्ञापन लेखन की कला से परिचित होंगे और विज्ञापन की विशिष्टता को समझेंगे।

ILO 2 : एक अच्छे विज्ञापन के लिए किन-किन बातों पर ध्यान देना चाहिए उसे समझ पायेंगे।

CO 4 : आधुनिक विज्ञापन लेखन की कला से परिचित कराना।

ILO 1 : आधुनिक विज्ञापन की भाषा की समझ होगी।

ILO 2 : विज्ञापन के द्वारा विज्ञापित वस्तु, सेवा, विचारधारा, संस्था या व्यक्ति-विशेष के बारे में सूचित कर सकेंगे।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : विज्ञापन कला

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	• विज्ञापन : परिभाषा, स्वरूप, महत्व एवं उपयोगिता • विज्ञापन के प्रकार	14	01	-	15
2 (15 marks)	• विज्ञापन के विविध माध्यम एवं उपयोगिता • विज्ञापन के कार्य	14	01	-	15
3 (15 marks)	• विज्ञापन लेखन की कला एवं विशेषताएँ • विज्ञापन की भाषा : रूप और संरचना	14	01	-	15
4 (15 marks)	• विज्ञापन और हिन्दी भाषा • आधुनिक विज्ञापन : कला एवं व्यवहार	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	S	S

सहायक ग्रंथ :

1. विज्ञापन कला : मधु धवन, हितकारी प्रकाशन, दिल्ली।
2. आधुनिक विज्ञापन : कला एवं व्यवहार : डॉ. अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. विज्ञापन तकनीक एवं सिद्धान्त : नरेन्द्र सिंह यादव, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी।

::::::::::::

SEMESTER VIII

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 36 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	:	**तुलसी साहित्य**
Course Code	:	**DSE1**
Nature of the Course	:	**Major**
Total Credits	:	**4**
Distribution of Marks	:	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

तुलसी दास हिन्दी साहित्य के मध्यकालीन सर्वश्रेष्ठ कवि हैं, जिन्होंने भक्तिकाल की रामभक्ति शाखा का प्रतिनिधित्व किया। भारतीय जीवन - व्यवहार, समाज आदर्श और मानवीय करुणा का जो रुप उनके काव्य में मिलता है, वह उन्हें ऐसे विशिष्ट कवि के स्तर पर प्रतिष्ठित करता है, जहाँ किसी दूसरे कवि को स्थापित करने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। यह प्रश्न पत्र ऐसे एक महान विभूति तुलसीदास के साहित्य के अध्ययन का छोटा-सा प्रयास है।

CO1 : तुलसीदास के जीवनवृत्त और उनके साहित्य का विश्लेषणात्मक अध्ययन की जानकारी देना।

ILO 1 : तुलसीदास के जीवनवृत्त एवं साहित्य का विश्लेषणात्मक अध्ययन से उनकी विलक्षण प्रतिभा से परिचित हो सकेगें।

CO 2 : रामचरित मानस के अयोध्याकाण्ड से परिचित कराना।

ILO 1 : रामचरितमानस के अध्ययन से विद्यार्थियों को आदर्श और मर्यादा के साथ-साथ नैतिक ज्ञान भी प्राप्त होगा।

CO 3 : कवितावली और विनय-प्रत्रिका से परिचित कराना।

ILO 1 : रामचरितमानस के अध्ययन से विद्यार्थियों को आदर्श और मर्यादा के साथ-साथ नैतिक ज्ञान भी प्राप्त होगा।

ILO 2 : विनय - पत्रिका के चुने हुए महत्वपूर्ण पदों का ज्ञान प्राप्त होगा।

CO 4 : तुलसीदास की विलक्षण प्रतिभा से परिचित कराना।

ILO 1 : रामचरित मानस के परिप्रेक्ष्य में तुलसीदास की विलक्षण प्रतिभा से परिचित हो सकेंगे।

ILO 2 : विनय पत्रिका में भक्तिमूला प्रपत्ति को समझ सकेंगे।

ILO 3 : तुलसीदास की लोकमंगल भावना से परिचित हो सकेंगे।

ILO 4 : तुलसीदास की समन्वय भावना से प्रेरित होंगे।

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : तुलसी साहित्य

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	• तुलसीदास : जीवनवृत्त एवं साहित्य का विश्लेषणात्मक अध्ययन	14	01	-	15
2 (15 marks)	• रामचरित मानस : अयोध्याकाण्ड : (10 - दोहा - चौपाई, संख्या - 67 से 76 तक)	14	01	-	15
3 (15 marks)	• कवितावली; उत्तरकाण्ड : (5 छंद, पद संख्या - 29, 35, 37, 44, 60) • विनय - पत्रिका : (10 पद, पद संख्या - 1, 5, 17, 30, 36, 41, 45, 72, 78, 79)	14	01	-	15
4 (15 marks)	• रामचरित मानस के परिप्रेक्ष्य में तुलसीदास • विनय पत्रिका में भक्तिमूला प्रपत्ति • तुलसीदास के काव्य में लोकमंगल की भावना • तुलसीदास की समन्वय भावना	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	S	S	S	S	S	M
CO2	S	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	S
CO4	M	S	S	M	S	S	M

सहायक ग्रंथ :

1. तुलसी काव्य मीमांसा : डॉ. उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्लीष
2. तुलसीदास : डॉ. वासुदेव सिंह, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. रामचरितमानस : अयोध्याकाण्ड : डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. अयोध्याकाण्ड - रामचरितमानस : तुलसीदास, गीता प्रेम, गोरखपुर।
5. कवितावली : तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर।
6. विनय - पत्रिका : तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर।

::::::::::

SEMESTER VIII

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 36 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	:	**सूर साहित्य**
Course Code	:	**DSE2**
Nature of the Course	:	**Major**
Total Credits	:	**4**
Distribution of Marks	:	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

सूरदास भक्तिकाल के एक प्रमुख कवि थे, जिन्होंने हिन्दी साहित्य को अपनी कृष्ण भक्ति की कविताओं से समृद्ध किया, विशेष रुप से 'सूरसागर' के माध्यम से। सूरदास का वात्सल्य वर्णन हिन्दी साहित्य की अनुपम निधि है। काव्यभिव्यक्ति में उनके जैसा दूसरा कवि नहीं है। वास्तव में अपने काव्य से उन्होंने भक्तिधारा की दिशा ही बदलकर रख दी।

CO1 : सूरदास के जीवन वृत्त एवं साहित्य का विश्लेषणात्मक अध्ययन की जानकारी देना।

ILO 1 : सूरदास के जीवन वृत्त एवं साहित्य का विस्तृत अध्ययन कर सकेंगे।

ILO 2 : सूरदास के कृतित्व पर विश्लेषणात्मक अध्ययन कर सकेंगे।

CO 2 : सूरदास की विनय तथा भक्ति भावना से परिचित कराना।

ILO 1 : विनय तथा भक्ति के कुछ महत्वपूर्ण पदों के बारे में जान सकेंगे।

ILO 2 : गोकुल-लीला के कुछ महत्वपूर्ण पदों के बारे में जान सकेंगे।

CO 3 : सूरदास के राधा-कृष्ण संवाद और उद्धव संदेश संवाद से परिचित कराना।

ILO 1 : सूरदास के राधा-कृष्ण से संबन्धित कुछ महत्वपूर्ण पदों से परिचित होंगे।

ILO 2 : सूरदास के उद्धव-संदेश के कुछ महत्वपूर्ण पदों के माध्यम से निर्गुण पर सगुण के विजय को समझेंगे।

CO 4 : सूरदास की भक्ति भावना और काव्य-सौन्दर्य की जानकारी देना।

ILO 1 : सूरदास की भक्ति भावना से परिचित होंगे।

ILO 2 : सूरदास का वात्सल्य और श्रृंगार वर्णन से परिचित होंगे।

ILO 3 : अष्टछाप के कवियों में सूरदास के स्थान को समझेंगे।

ILO 4 : सूरदास के भाषाधिकार के बारे में जान सकेंगे।

Learning Outcome Representation : Bloom's Taxonomy Table

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : सूर साहित्य

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	• सूरदास : जीवन वृत्त एवं साहित्य का विश्लेषणात्मक अध्ययन	14	01	-	15
2 (15 marks)	• विनय तथा भक्ति : (पद संख्या - 1, 2, 4, 17, 23, 25, 44) • गोकुल-लीला (पद संख्या - 1, 3, 7, 12, 19, 26, 41)	14	01	-	15
3 (15 marks)	• राधा-कृष्ण (पद संख्या - 1, 2, 16, 23, 42, 48, 63) • उद्धव-संदेश (पद संख्या - 63, 77, 82, 95, 132, 136, 155)	14	01	-	15
4 (15 marks)	• सूरदास की भक्ति भावना • सूरदास का वात्सल्य और शृंगार वर्णन • अष्टछाप के कवियों में सूरदास का स्थान • सूरदास का भाषाधिकार	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	S	S

सहायक ग्रंथ :

1. सूर की काव्य साधना : गोविन्द राम शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
2. सूर साहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. सूरदास : डॉ. ब्रजेश्वर वर्मा, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

:::::::::::

SEMESTER VIII

चार वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम (कोर कोर्स)

HINDI HONOURS (CORE COURSE)

CREDIT - 4 (L - 36 T - 4 P - 0)

Total Marks - 100 (Th - 60 + IA - 40)

Title of the Course	**:**	**प्रेमचन्द्र साहित्य**
Course Code	**:**	**DSE3**
Nature of the Course	**:**	**Major**
Total Credits	**:**	**4**
Distribution of Marks	**:**	**60 (End Sem) + 40 (In - Sem)**

प्रस्तावना :

प्रेमचंद ने हिन्दी साहित्य में यथार्थवाद को स्थापिथ किया, जो उनके समय के लिए क्रान्तिकारी बदलाव था। उर्दु तथा हिन्दी दोनों ही भाषाओं में उन्होंने लेखन कार्य किया है। कथा साहित्य के साथ-साथ उन्होंने नाटक, निबंध आदि की भी रचना की है। प्रेमचन्द के साहित्य में उस दौर से समाज-सुधार आन्दोलन, स्वाधीनता संग्राम तथा प्रगतिवादी आन्दोलनों के सामाजिक प्रभावों का दिगदर्शन निहित है। यही नहीं उस युग की प्रमुख समस्याओं की अभिव्यक्ति भी उनके कहानियों - उपन्यासों में दिखाई देती है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम में प्रेमचन्द के एक उपन्यास, एक नाटक एवं पाँच कहानियों का अध्ययन कराया जा रहा है।

CO1 : हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकार प्रेमचन्द की जीवनी, जीवन दर्शन तथा उनके साहित्य से परिचित कराना।

ILO 1 : प्रेमचंद की जीवनी, जीवन दर्शन तथा उनके साहित्य से परिचित होंगे।

ILO 2 : उपन्यास सम्राट के रुप में उनको विश्लेषण कर सकेगें।

CO 2 : प्रेमचन्द के उपन्यास की प्रासंगिकता से परिचित कराना।

ILO 1 : उपन्यास 'निर्मला' के माध्यम से समाज, संस्कृति, सभ्यता की जानकारी मिलेगी।

ILO 2 : सभ्यता एवं संस्कृति के प्रति विद्यार्थियों को जागरुकता बढ़ेगी।

CO 3 : प्रेमचंद के नाट्य-साहित्य की प्रासंगिखता को अवगत कराना।

ILO 1 : प्रेमचंद के नाटक 'कर्बला' के माध्यम से ऐतिहासिक, धार्मिक आदि प्रभावों का अध्ययन कर सकेंगे।

ILO 3 : धार्मिकता पर रुचि बढ़ेगी।

CO 4 : प्रेमचंद की कहानियों से परिचित कराना।

ILO 1 : प्रेमचंद की कुछ चुनी हुई कहानियों के माध्यम से राजनीतिक और सामाजिक भ्रष्टाचार, निर्धनता से उपजी समस्याएँ, मानवीय मूल्य एवं करुणा आदि से परिचित हो सकेंगे।

ILO 2 : कहानियों के प्रति आकर्षित होगी।

Cognitive Knowledge Dimensions	Cognitive Process Dimession					
	Remember	Understand	Apply	Analyze	Evaluate	Create
Factual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Conceptual Knowledge	CO1, CO2, CO3 , CO4	CO1, CO2, CO3 , CO4		CO1 CO2 CO3 CO4		
Procedual Knowledge				CO1 CO2 CO3 CO4		
Meta Cagnitive Knowledge						

Title of the Course : प्रेमचन्द्र साहित्य

इकाई	विषय. सूची	L	T	P	Total Hours
1 (15 marks)	• प्रेमचन्द : जीवनी, जीवन दर्शन तथा उनका साहित्य सृजन	14	01	-	15
2 (15 marks)	• उपन्यास : निर्मला	14	01	-	15
3 (15 marks)	• नाटक : कर्बला	14	01	-	15
4 (15 marks)	• कहानी : कफन, ईदगाह, बूढ़ी काकी, पंच परमेश्वर, ठाकुर का कुआँ	14	01	-	15
	Total	56	04	-	60

Where L : Lectures T : Tutorials P : Praticals

Modes of In-semester Assessment : 40 Marks

- Two Sessional Examination : 20 marks
- Attendance : 5 marks
- Any three of the following activities : 15 marks
  - (i) Class assignment / home assignment
  - (ii) Class test / Unit test
  - (iii) Group discussion
  - (iv) Seminar
  - (v) Quiz

Mapping of course outcomes to programe outcomes :

CO / PO	PO1	PO1	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7
CO1	S	M	S	S	S	S	M
CO2	M	S	M	M	M	S	S
CO3	S	M	S	S	M	S	M
CO4	M	S	M	M	S	S	M
CO5	M	M	S	S	S	S	S

सहायक ग्रंथ :

1. प्रेमचन्द रचना संचयन :(सं)निर्मल वर्मा और कमल किशोर गोयनका, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
2. प्रेमचन्द आलोचनात्मक परिचय : डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. प्रेमचन्द : डॉ. रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. उपन्यास साहित्य का इतिहास : डॉ. गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. हिन्दी कहानी का विकास : मधुरेश, सुमित प्रकाशनष इलाहाबाद।

:::::::::::